वर्ष 24, अंक 282, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार 19 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

यमन में हूती विद्रोहियों पर आसमान से बरसी आफत,

अमेरिका की एयर स्ट्राइक में 74 की मौत, 171 घायल

यमन : यमन के रास ईसा तेल बंदरगाह पर अमेरिका की ओर से किए गए हवाई हमलों में कम से कम 74 लोग मारे गए और 171 लोग घायल हुए हैं. यह जानकारी यमन में सक्रिय हूती विद्रोहियों ने दी है. बताया गया कि ये हमला गुरुवार देर रात (18 अप्रैल,2025) को किया गया जब लोग बंदरगाह पर काम कर रहे थे.

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य हूती विद्रोहियों के ईंधन और आर्थिक संसाधनों को कमजोर करना था. अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में बंदरगाह और इसके आसपास के क्षेत्रों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया. बंदरगाह कर्मचारी और ट्रक ड्राइवर भी हमले की चपेट में आ गए.

यमन में भारी विरोध

दरअसल, रास ईसा बंदरगाह यमन की अर्थव्यवस्था और मानवीय सहायता आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां से देश के 70 प्रतिशत से अधिक आयात और 80 प्रतिशत मानवीय सहायता आती है. हमले के बाद इस क्षेत्र में भारी विरोध देखा गया है.

हूती विद्रोही समर्थित अल मसीरा टीवी ने विस्फोट और क्षति के वीडियो जारी किए हैं. वीडियो में जलते हुए ट्रक, मलबा और नागरिकों का डेड बॉडी दिखाई दे रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में कई बंदरगाह कर्मचारी घायल हुए हैं.

राजनीतिक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय तनाव

हूती अधिकारी मोहम्मद नासिर अल-अतीफी ने कहा कि यह हमला यमनी जनता को गाजा के समर्थन से नहीं रोक सकता, बल्कि इससे उनका संकल्प और मजबूत होगा. हमले के कुछ घंटों बाद इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने यमन से दागी गई एक मिसाइल को रोक लिया है.

नवंबर 2023 से हौथियों ने उन जहाजों पर सौ से अधिक हमले किए हैं जिन्हें वे इजरायल से जुड़ा मानते हैं. वाशिंगटन ने चेतावनी दी है कि यदि रेड सी में हमले नहीं रुके, तो सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी. बता दें कि इस हमले ने यमन की अर्थव्यवस्था, मानवीय सहायता और अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों को झकझोर दिया है।

गीता और नाट्यशास्त्र UNESCO ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण

नई दिल्ली

अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दशार्ते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है।

श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह एक वैश्विक पहल है जो उत्कृष्ट मूल्य की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है।

अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दशार्ते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों की एक बड़ी मान्यता है।

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को मान्यता दी गई है, जिन्होंने पीढ़ियों से समाज को प्रभावित किया है। भगवद गीता, भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच एक पवित्र संवाद है, जिसे लंबे समय से आध्यात्मिक और दार्शनिक आधारशिला माना जाता है। इस बीच, प्राचीन ऋषि भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को प्रदर्शन कलाओं, विशेष रूप से रंगमंच, नृत्य और संगीत पर आधारभूत ग्रंथ माना जाता है।

18 अध्यायों में 700 श्लोकों वाली भगवद् गीता महाकाव्य महाभारत के भीष्मपर्व (अध्याय 23-40) में समाहित है। यह भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद का रूप लेती है, जिसमें सेनाएँ अर्जुन को निराशा से मुक्त करने के उद्देश्य से महायुद्ध के लिए तैयार हैं। भगवद गीता निरंतर, संचयी प्राचीन बौद्धिक भारतीय परंपरा में एक केंद्रीय ग्रंथ है, जो वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे विभिन्न विचार आंदोलनों का संश्लेषण करता है।

'कांग्रेस के इतिहास में एक नहीं, अनेक घोटाले'

नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अखबार को अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक पैसा भी निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की।

भाजपा ने शुक्रवार को भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस नेताओं को चुनौती दी कि वे मामलों का त्वरित और समयबद्ध निपटारा करने की मांग करें। साथ ही, उसने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के पीछे राजनीति को कारण बताने के लिए पार्टी की आलोचना की। सत्तारूढ़ भाजपा ने गांधी परिवार के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र के बाद विपक्षी पार्टी पर दबाव बनाए रखा और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में जनता का पैसा खर्च करने का आरोप लगाया, जिसे बहुत कम लोग पढ़ते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि नेशनल हेराल्ड का नाम सुनते ही आज कांग्रेस पार्टी के पूरे इकोसिस्टम में छटपटाहट, कपकपाहट, धड़धड़ाहड, डगमगाहट, लड़खड़ाहट होने लगती है। ऐसे सनसनी होने लाजमी भी है, क्योंकि चोरी करते हुए फिर से पकड़े जो गए हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद आज तक अगर आप कांग्रेस का इतिहास देखेंगे तो एक नहीं बल्कि अनेक घोटाले सामने आए हैं। लेकिन ये (नेशनल हेराल्ड) अपने आप में एक ऐसा मॉडल है, जो किसी के गले नहीं उतर रहा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अखबार को अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक पैसा भी निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यंग इंडियन कंपनी में दोनों गांधी परिवार के पास 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मुंबई जा रहे दो अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को त्रिपुरा में गिरफ्तार किया गया

त्रिपुरा- बांग्लादेश के बरिसाल जिले की निवासी नादिया अख्तर (19) और रूपाली अख्तर (38) को बृहस्पतिवार को उस समय पकड़ा गया जब वे कोलकाता जाने वाली रेल गाड़ी में सवार होने जा रहे थे। त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन से दो अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अगरतला राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के प्रभारी अधिकारी आपस दास ने बताया कि बांग्लादेश के बरिसाल जिले की निवासी नादिया अख्तर (19) और रूपाली अख्तर (38) को बृहस्पतिवार को उस समय पकड़ा गया जब वे कोलकाता जाने वाली रेल गाड़ी में सवार होने जा रहे थे। उन्होंने बताया, खुफिया सूचना के आधार पर जीआरपी, जिला पुलिस और सीमा सुरक्षा बल ने संयुक्त अभियान में उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

ये गुंडागर्दी नहीं चलेगी

राजौरी गार्डन में अवैध ढाबे और मीट की दुकानों पर फूटा मंत्री मनजिंदर सिरसा का गुस्सा

नई दिल्ली

सिरसा ने इलाके में 'आवश्यकता से अधिक' मीट की दुकानों पर चिंता जताई। सिरसा ने कहा कि यहां बहुत सारी अवैध गतिविधियां चल रही हैं। कई जगहों पर मीट के ढाबे खुल गए हैं। खुलेआम मीट बिक रहा है, खुले में तंदूर चल रहे हैं। मैंने प्रशासन को आदेश दिया है कि अगले 24 घंटे में सभी अवैध गतिविधियां बंद कर दी जाएं और मीट की दुकानें बंद कर दी जाएं। हर जगह मीट बिक रहा है। यह गुंडागर्दी नहीं चलेगी।

दिल्ली के राजौरी गार्डन में दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिरसा के आदेश के बाद कई अवैध मीट की दुकानें बंद कर दी गईं। कार्रवाई के बाद गली नंबर 5 में तनावपूर्ण माहौल देखा गया, मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अनुमान लगाया कि सरकार कोई कार्रवाई कर सकती है। उन्होंने मीट की दुकानें बंद होने पर निराशा व्यक्त की। सिरसा ने इलाके में 'आवश्यकता से अधिक' मीट की दुकानों पर चिंता जताई। सिरसा ने कहा कि यहां बहुत सारी अवैध गतिविधियां चल रही हैं। कई जगहों पर मीट के ढाबे खुल गए हैं। खुलेआम मीट बिक रहा है, खुले में तंदूर चल रहे हैं। मैंने प्रशासन को आदेश दिया है ।

मथुरा में कृष्ण लोक पार्क और अयोध्या में बनेगा लव-कुश पार्क व श्रीपुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र

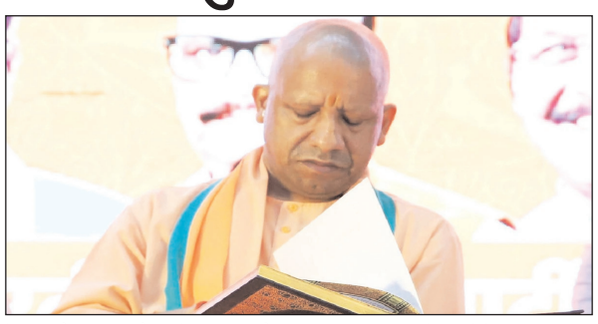

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में मथुरा और अयोध्या में भगवान श्रीकृष्ण और प्रभु श्रीराम के जीवन लीलाओं पर आधारित थीम पार्क और एक्सपीरियंस सेंटर बनने की कार्ययोजना नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की। कचरे से कंचन की तर्ज पर मथुरा में कृष्ण लोक पार्क और अयोध्या में लवकुश पार्क व श्रीपुरुषोत्तम दर्शन अनुभव केंद्र बनाया जाएगा। प्रयागराज में इसी तर्ज पर बनाये गये शिवालय पार्क की तर्ज पर नगर वेस्ट और धातु स्कैप से मथुरा और अयोध्या में भी थीम पार्क बनेंगे। जो धार्मिक नगरियों में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में लखनऊ के यूपी दर्शन पार्क और प्रयागराज में बने शिवालय पार्क की तर्ज पर मथुरा और अयोध्या में भी थीम पार्क और एक्सपीरियंस सेंटर बनाये जाएगें। इसकी विस्तृत कार्ययोजना नगर विकास विभाग ने मुख्यमंत्री के सामने विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की। मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की जीवन लीलाओं पर आधारित कृष्ण लोकपार्क बनाया जाएगा। जबकि अयोध्या नगरी में प्रभु श्रीराम और लवकुश के जीवन प्रसंगों का चित्रण लवकुश पार्क और श्रीपुरूषोत्तम एक्सपीरियंस सेंटर का निर्माण किया जाएगा।

कर्नाटक सरकार जल्द लाएगी रोहित वेमुला एक्ट, राहुल के लेटर पर आया सिद्धारमैया का रिएक्शन

कर्नाटक

शिक्षा में जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विधायी कार्रवाई के आह्वान को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से त्वरित समर्थन मिला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने घोषणा की कि राज्य सरकार सामाजिक न्याय को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए जल्द से जल्द ह्यरोहित वेमुला अधिनियमह्न पेश करेगी। मैं राहुल गांधी को उनके हार्दिक पत्र और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार कर्नाटक में रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने के अपने संकल्प पर अडिग है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी छात्र को जाति, वर्ग या धर्म के आधार पर भेदभाव का सामना न करना पड़े। सिद्धारमैया ने कहा कि हम रोहित, पायल, दर्शन और अनगिनत अन्य लोगों के सपनों का सम्मान करने के लिए जल्द से जल्द यह कानून लाएंगे।

कुरान, कलम और कॉपी के बाद अब नॉनवेज की डिमांड, अपने भाई से बात करना चाहता है तहव्वुर

नई दिल्ली

सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तहव्वुर राणा अपने परिवार के लोगों से बातचीत करना चाहता है। राणा जांच एजेंसी से अपने भाई से बात कराने की प्रक्रिया के बारे में पूछ रहा है। वहीं, तहव्वुर राणा ने जांच एजेंसी से नॉनवेज यानी मांसाहारी खाने की मांग भी की है। हालांकि, राणा को तय नियमों के आधार पर ही खाना दिया जा रहा है। एनआईए की ओर से बताया गया है कि हिरासत में पूछताछ के दौरान तहव्वुर राणा जांच एजेंसी से सहयोग नहीं कर रहा है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) मुंबई हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा की जांच कर रही है ताकि 2008 के नृशंस आतंकी हमलों के पीछे की बड़ी साजिश की जांच की जा सके। राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के बाद 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया गया है, जहां उस पर आत्महत्या की आशंका है। राणा को दिल्ली के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित एनआईए मुख्यालय के भीतर एक अत्यंत सुरक्षित सेल में रखा गया है और उस पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। हिरासत में तहव्वुर राणा ने तीन मांगें कीं। उसने कुरान की एक प्रति, एक कलम और एक कागज मांगा। राणा को कुरान की एक प्रति, कलम और एक सॉफ्ट-टिप पेन मुहैया कराया गया है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वह खुद को नुकसान पहुंचाने के लिए पेन का इस्तेमाल न करे।

इस बीच सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तहव्वुर राणा अपने परिवार के लोगों से बातचीत करना चाहता है। राणा जांच एजेंसी से अपने भाई से बात कराने की प्रक्रिया के बारे में पूछ रहा है। वहीं, तहव्वुर राणा ने जांच एजेंसी से नॉनवेज यानी मांसाहारी खाने की मांग भी की है। हालांकि, राणा को तय नियमों के आधार पर ही खाना दिया जा रहा है। एनआईए की ओर से बताया गया है कि हिरासत में पूछताछ के दौरान तहव्वुर राणा जांच एजेंसी से सहयोग नहीं कर रहा है।

पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा को लॉस एंजिल्स के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। अमेरिका द्वारा उसके प्रत्यर्पण की सभी बाधाओं को दूर करने के बाद राणा को एक विशेष विमान से लाया गया। प्रत्यर्पण से बचने का राणा का आखिरी प्रयास विफल हो गया क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने उसके आवेदन को खारिज कर दिया। एनआईए की हिरासत में राणा से अधिकारियों की एक टीम पूछताछ कर रही है।

'राष्ट्रपति नाम का मुखिया, उनके पास निजी अधिकार नहीं'- सिब्बल

नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि द्वारा विधेयकों को मंजूरी न देने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर जगदीप धनखड़ की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति को पता होना चाहिए कि राज्यपाल और राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की ह्यसहायता और सलाहह्न पर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि जगदीप धनखड़ का बयान देखकर मुझे दुख और आश्चर्य हुआ। आज के समय में अगर किसी संस्था पर पूरे देश में भरोसा किया जाता है तो वह न्यायपालिका है। सिब्बल ने आगे कहा कि जब सरकार के कुछ लोगों को न्यायपालिका के फैसले पसंद नहीं आते तो वे उस पर अपनी सीमा लांघने का आरोप लगाने लगते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या उन्हें पता है कि संविधान ने अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय देने का अधिकार दिया है? राष्ट्रपति तो केवल नाममात्र का मुखिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति कैबिनेट के अधिकार और सलाह पर काम करते हैं। राष्ट्रपति के पास कोई निजी अधिकार नहीं है। जगदीप धनखड़ को यह बात पता होनी चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है जब धनखड़ ने शीर्ष अदालत पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सुपर संसद नहीं बन सकती और भारत के राष्ट्रपति को निर्देश देना शुरू नहीं कर सकती।

उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा था कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहाँ आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है।

'मुसलमान धैर्य दिखा रहे हैं...'- शहजाद

झारखंड

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने झामुमो को संविधान का विध्वंसक करार देते हुए मंत्री को तत्काल राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। भाजपा नेता ने कहा कि हाफिजुल हसन एक सीरियल अपराधी है।

एक सप्ताह पहले उसने कहा था कि उसके लिए शरिया संविधान से ऊपर है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और राज्य मंत्री हफीजुल हसन ने शुक्रवार को एक चेतावनी जारी करके विवाद खड़ा कर दिया कि अगर उकसाया गया तो मुसलमान सड़कों पर उतर सकते हैं और हिंसा का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने यह बयान संशोधित वक्फ अधिनियम के संदर्भ में दिया। तीखे पलटवार में, भाजपा ने मंत्री की भड़काऊ टिप्पणी की कड़ी निंदा की और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली पार्टी पर संविधान को नष्ट करने का आरोप लगाया।

मेजा में बारातियों और घारातियों में हुई जमकर मारपीट और चाकूबाजी से कई लोग हुए घायल

- बारातियों और घारातियों के मध्य हुए विवाद से भसुंदर गांव में मचा हड़कंप और अफरा तफरी के बीच जान बचाकर इधर उधर भागने लगे बाराती
- सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मेजा पुलिस टीम और डायल 112 की दो गाड़ियों ने संभाला मोर्चा,पुलिस की मौजूदगी में सकुशल संपन्न हुई कन्या विवाह की रस्में, घरातियों ने बारातियों की कई गाड़ियां तोड़फोड़ कर किया क्षतिग्रस्त

अखंड भारत संदेश

मेजा। द्वारचार को जा रहे बारात के डीजे से घराती युवक का पैर दब जाने को लेकर एक बारात में बाराती और घराती आमने सामने आ गए और दोनों पक्षों के मध्य जमकर मारपीट तथा चाकूबाजी होने से कई लोगों के घायल हो गए। इस दौरान बारात की कई गाड़ियों को भी घाटियों ने निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ किया है। सूचना मिलने पर पहुंची मेजा पुलिस ने मोर्चा संभाला तब कहीं जाकर सकुशल विवाह संपन्न हुआ। मामला मेजा थाना क्षेत्र के भसुंदर खुर्द गांव में आई बारात का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को मेजा थाना क्षेत्र के गेदुराही गांव निवासी गुलाबचन्द्र यादव के घर से उनके नाति अनुज यादव की बारात इसी थाना क्षेत्र के भसुंदर खुर्द गांव निवासी कृष्णबली यादव के

यहां आईबी थी। बारात में द्वारपूजा के पहले डीजे गाड़ी से घारात के एक युवक का पैर दब जाने को लेकर बाराती और घराती पक्ष के लोगों में पहले कहा सुनी हुई उसके बाद मामल तुल पकड़ लिया और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। बताया गया कि इसी बीच घरात का कोई युवक बारात में चाकूबाजी करने लगा जिससे भसुंदर खुर्द गांव के ही मनीष यादव पुत्र रामअकबाल व बाला यादव पुत्र सियाराम चाकू लगने से बुरी तरह घायल हो गए। इस दौरान घरातियों ने काफी उत्पात मचाया और बारात में आई हुई मुलायम यादव की बोलेरो, लवकुश यादव की वैगनआर कार तथा कप्तान यादव की बोलेरो तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। गौरतलब है कि बारातियों और घरातियों के बीच हुई मारपीट से पूरे बारात में हड़कंप एवं अफरा तफरी मच गई लोग इधर उधर जान बचाकर भागने लगे। इसी बीच किसी ने मामले की सूचना पर डायल 112 को दिया 112 नंबर की पुलिस ने मामले की जानकारी मेजा पुलिस को देते हुए डायल 112 की दो गाड़ियों के साथ मेजा कोतवाली की पुलिस फोर्स आनन फानन मौके पर पहुंची और मोर्चा संभाला तब जाकर मामला किसी प्रकार शांत हुआ। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए देर रात तक मेजा पुलिस वहां मुस्तैदी के साथ मौजूद रही और बारात में मारपीट करने वाले अराजकतत्वों पर पैनी नजर रखे रही। बताया जाता है कि मेजा पुलिस की मौजूदगी में विवाह का संपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मेजा पुलिस की भूमिका बेहद अहम रही। इस संबंध में कोतवाल मेजा राजेश उपाध्याय से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि बारात की डीजे गाड़ी से किसी घाराती का पैर दब गया था जिसको लेकर विवाद और मारपीट हुई है। मेजा पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामला शांत करा दिया है।

घर में घुस कर तोड-फोड़, मार पीट का मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बरइ पुर गांव में गुरुवार को दो पक्षो के बीच जमीनी रंजिश को लेकर लाठी डंडो से मार पीट हुई थी। जिस में कई घायल हुए थे।मामले में एक पक्ष ने घर मे घुस कर तोड़ फोड़ तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए दूसरे पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा के बरईपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार और दूसरे पक्ष के राज कुमार यादव के बीच गुरूवार को जमीनी रंजिश को लेकर लाठी डंडा से मार पीट हुई थी। इस मार पीट में दोनों पक्षों को चोटें आयी थी। शुक्रवार को प्रथम पक्ष की प्रेमा देवी पत्नी फूलचंद्र ने घर में घुस कर तोड फोड़ मार पीट सामान गायब करने का आरोप लगाते हुए। अपने विपक्षी लालजी, हिमांशू, प्रियांशू, देवराज, जय सिंह, प्रीती, मंजू देवी तथा लालजी की पत्नी नाम मअज्ञात में मुकदमा दर्ज करा दिया है। जबकि दूसरा पक्ष अभी तक मुकदमा नही दर्ज कराया है।

जारी जल निगम की दूषित जल आपूर्ति से लोग हो रहे बीमार

जारी। विकास खंड जसरा के जारी जल निगम की दूषित जल आपूर्ति का पानी पीने से स्थानीय लोग बीमार हो रहे है। स्थानीय संजय मोदनवाल ,जितेंद्र केसरवानी (बबलू), राजा राम सोनी, सतीश मोदनवाल, रोहन केसरवानी, सिंटू केसरवानी, राजेश केसरवानी, मुन्ना केसरवानी, प्रमोद केसरवानी, मोनू सोनी, शुभम केसरवानी, अन्य लोगो ने बताया की कई महीने से जारी बाजार जल निगम की जल आपूर्ति से दुर्गंध रहित नाली का पानी आ रहा है। कही पाइप लाइन लीक होने से जल निगम की पाइप लाइन में नाली का पानी आ रहा है। दूषित जल आपूर्ति के कारण लोगो को पीने का पानी नही मिल रहा है भीषण गर्मी के मौसम में स्थानीय लोग आरो फिल्टर पानी खरीद कर पी रहे है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर नही जा रहा है।

स्कूल वैन की टक्कर से बाइक सवार सहित एक छात्र जख्मी

अखंड भारत संदेश

गड्ढे में गिरी स्कूल वैन

जारी। कौंधियारा क्षेत्र में शुक्रवार को गौरा पेट्रोल पम्प के पास तकरीबन 8 बजे एक स्कूली वैन छात्रों को बैठा कर अकोढ़ा की तरफ जा रही थी। जैसे ही पेट्रोल पम्प के आगे पहुंची की आगे जा रहे बाइक सवार को जोर दार टक्कर मारते हुये अनियंत्रित होकर गड्ढे में चली गई जिससे वैन में बैठा एक छात्र और बाइक सवार इंदल पुत्र सेमरिहा निवासी कालू सिंह का पूरा गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरों की मदद से घायलों को इलाज के लिये पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं घटना के बाद ग्रामीण की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगते हुये बताय की गुड फ्राइडे के दिन छुट्टी होने के बाद भी विद्यालय खुले है। जिससे ये घटना हुई है। इस घटना से अभिभावकों में आक्रोश है। वहीं अधिकतम विद्यालयों में बिना परमिट के स्कूली वाहन रोड पर दौड़ती है। जिससे आयेदिन दुर्घटनाएं होती है। उक्त ग्रामीणों ने अधिकारियों से डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

पत्नी के होते हुए भी सौतन रखने का आरोप विवाहिता ने दी तहरीर

मऊआइमा। पहली पत्नी और बच्चे होते हुए भी पति पर पत्नी ने सौतन रखने का आरोप लगाते हुए थाने में पति और सौतन के खिलाफ तहरीर दी है। मऊआइमा थान क्षेत्र के एक गांव निवासिनी एक विवाहिता का आरोप है कि गांव की एक महिला जबरियन उसके घर में घुस कर कहती हैं कि तुम्हारा पति मुझे काफी दिनों से रखे हुए है।तथा खाना खर्च भी देता है। विवाहिता का आरोप है कि सौतन कहती है कि वह इसी घर में रहेगी।पहली पत्नी का आरोप है कि सौतन के कहने पर पति उसे लाठी डंडा से मारता पीटता है। विवाहिता ने अपने पति और सौतन के खिलाफ मऊआइमा थाने में तहरीर दी है। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग को भगाकर ले जाने वाले आरोपी के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज

परिजनों का आरोप है कि उसकी नाबालिग पुत्री को लालापुर थाना अंतर्गत प्रतापपुर गाँव का ही लड़का जबरन भगा ले गया है, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज किया है

अखंड भारत संदेश

लालापुर। क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में एक सप्ताह पूर्व एक किशोरी को गांव का ही एक युवक भगा ले गया और कई दिनों तक अपने पास रखा । मंगलवार को किशोरी के परिजनों ने लालापुर थाना में शिकायती पत्र देकर किशोरी को गांव के युवक पर आरोप लगाया की उसकी नाबालिग बेटी को जबरन अगवा कर गायब किया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी और युवक को गिरफ़्तार तो कर लिया। परंतु एक दिन बाद किशोर व उसके साथी को थाने से छोड़ दिया गया। परिजनों ने आरोप लगाया है की किशोरी का मेडिकल परीक्षण भी नहीं कराया गया और उस युवक को भी छोड़ दिया गया है ।इस सम्बन्ध में एसीपी कुंजलता ने बताया की मामला मेरे संज्ञान में है जांच हो रही है, पीड़ित को न्याय दिया जायेगा।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश का प्रतिनिधि मंडल दलित युवक की हत्या पर बेटी शशि को दिया 2 लाख रुपए का चेक

- सपा प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिजनों का दुःख दर्द साझा किया और मृतक की बेटी की शादी में और मदद का भरोसा दिया
- करछना लोहनपुर में गत शनिवार को दबंगों ने गांव के दलित युवक देवी शंकर को ज़िंदा जला दिया था

अखंड भारत संदेश

करछना। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा प्रेषित प्रतिनिधिमंडल विधानसभा करछना के ग्राम इसौटा (लोहनपुर) दबंगों द्वारा दलित को जलाकर मार देने की घटना को गंभीरता से लेते हुए माननीय इन्द्रजीत सरोज एवं पूर्व मंत्री दद्दू प्रसाद सहित 8 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल जिसमे जिलाध्यक्ष जमुनापार पप्पू लाल निषाद जिलाध्यक्ष, गंगापार अनिल यादव एवं महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तिखार हुसैन बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजू पासी माननीय संदीप पटेल विधायक मेजा, ननकेश बाबू विधानसभा अध्यक्ष करछना पीड़ित परिवार की दुःख दर्द में सम्मलित होकर मृतक के पिता अशोक कुमार तथा उनकी माता ० बच्चो से मिलकर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दिए गये पार्टी के तरफ से २ लाख का चेक मृतक की पुत्री शशि कुमारी को देकर अस्वासन दिया गया की उसकी शादी और पढाई तथा जीवन यापन में पार्टी हमेशा सहयोग करती रहेगी।

प्रतिनिधि मंडल के साथ राहुल भारती, डॉ गुलाम मुस्तफा, जगदीश सिंह यादव, देवराज यादव,रणजीत सोनकर, पार्षद प्रेम शंकर यादव, डॉ विजय बाबू, धर्मेन्द्र यादव, प्रेम चन्द्र मौर्या, राम अवध पाल, गणेश यादव थरी, दीन दयाल पंडा, राजेश पाण्डेय, नितेश तिवारी, मोहित यादव, सूर्य प्रकाश बाबा, सुधीर यादव, नीरेंद्र सिंह एडवोकेट, राजेश यादव, विमल, प्रदीप निषाद, राकेश यादव, महेन्द्र सरोज, डॉ हरिहर देव सिंह, मान सिंह पटेल, श्याम बिहारी यादव आदि रहे।

सड़क हादसे में घायल नलकूप आपरेटर की इलाज के दौरान मौत

करछना। करछना थाना क्षेत्र के बघेडा गांव निवासी अच्छेलाल पटेल 55 वर्ष पुत्र रामधारी पटेल सरकारी नलकूप विभाग में आपरेटर की नौकरी करते थे वृहस्पतिवार को रामपुर मुगारी पास करीब 4.30 ड्यूटी से वापस लौटते समय नौवां गांव के समीप आमने-सामने मोटर साइकिल की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें अच्छेलाल पटेल को सिर में गम्भीर चोट आई जिसके बाद मौके पर मौजूद स्थानी लोगों की मदद से निजी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मृत्यु हो गई अच्छे लाल पटेल की पत्नी के अलावा तीन बहन, चार भाई, है दो बेटियों की सादी हुई है एक बेटी व चार बेटो? की शादी अभी बाकी है।

हत्या प्रयास की घटना में नामजद दो आरोपी गिरफ्तार

- भूमि विवाद को ले कर चल रहा कोर्ट में भाई भाई का विवाद,एक तरफा कार्यवाही से एक पक्ष असंतुष्ट

अखंड भारत संदेश

कोरांव। कोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम सभा महुली बाजार में भाई परिवार में हुए मारपीट में नामजद दो लोगों को पुलिस ने गीरफ्तार कर लिया। बता दें कि दर्ज मुकद्दमा अपराध संख्या 101/ 2025 धारा 191/ 2115/2/ 109/ 131/ 352/ 351/2 बी एन एस के आरोपी अमरनाथ केसरी पुत्र पन्नालाल और देवदास केसरी पुत्र कन्हैयालाल केसरी ग्राम महुली को कोरांव पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक कुल्हाड़ी एक डंडा बरामद किया है।

दरअसल वादी दिलीप केसरी पुत्र बावन दास केसरी ने तहरीर दी थी कि भाभी शकुंतला देवी,कमलेश तथा आशीष केसरी जो आपस में एक ही परिवार के हैं,जानलेवा हमला बोला था धार दार हथियार से। जब कि विवाद दोनों तरफ से हुआ था। पुलिस ने एक तरफा केस दर्ज किया है। देवदास केसरी से पुलिस कर्मी भी खुन्नस खाए थे। जो तिल की ताड़ बना कर केस दर्ज करवा दिया। ऐसा आरोप है। एक पक्ष का केस नहीं दर्ज किया गया।

पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कथित रूप से नामजद मुलजिमों के परिजनों ने सक्छम अधिकारियों से न्यायोचित कार्यवाही और एक तरफा केस दर्ज किए जाने की जांच और एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है। प्रत्यक्छ दर्शियों के अनुसार वादी दिलीपकुमार केसरी आदि की ही तरफ से सबसे पहले हमला मारपीट किया गया था। जवाब में दूसरे पार्टी ने भी मारपीट की।

पैथोलॉजी व डॉक्टर की सांठगांठ से लूट रहे मरीज

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ में मरीजों के लिए सभी प्रकार की जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां तक कि प्रत्येक बीमारी की सरकारी दवाएं केंद्र में मौजूद हैं पर कमीशनखोरी के चक्कर में अस्पताल के डॉक्टर ही मरीजों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अस्पताल के पर्चे पर खानापूर्ति के लिए कुछ सरकारी दवा लिखकर निजी पर्चे पर बाहर की महंगी दवाएं लिख दी जाती हैं । इन डॉक्टरों को सरकारी जांच पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बगल संचालित हो रहे पैथोलॉजी लैब पर मरीजों को जांच कराने के लिए भेजा जाता है। इस व्यवस्था में मरीजों को सरकारी इलाज से वंचित रखा जा रहा है, वहीं उन्हें महंगा इलाज के लिए मजबूर किया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ में लगभग हर बीमारी की जांच पूरी तरह से मुफ्त में की जाती है। मरीजों को हीमोग्लोबिन, यूरिन, शुगर, एक्स-रे सहित कई बीमारियों को जांच करानी हो तो वह आसानी से अस्पताल में करा सकता है । लेकिन अस्पताल में कुछ डॉक्टर ऐसे हैं, जिन्हें सरकारी जांचों पर भरोसा नहीं है।

कॉलेज के पूर्व डीएसडब्ल्यू समेत 5 पर मुकदमा बिना सुरक्षा उपकरण के कराई थी तैराकी

डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर अजिन रे, तैराकी कोच राजेश निषाद, अनुज कुमार, रितिक कुमार और नितिन कुमार शामिल हैं।

प्रयागराज। प्रयागराज के ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज में एक छात्र की तैराकी प्रशिक्षण के दौरान मौत के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बीएससी प्रथम वर्ष का 20 वर्षीय छात्र अमन यादव बुधवार को यमुना नदी में तैराकी सीख रहा था। कोच राजेश निषाद ने उसे बिना सुरक्षा उपकरणों के नदी की गहराई में उतार दिया। इस दौरान अमन डूब गया। गोताखोरों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।मृतक के पिता राम निरंजन यादव, जो मेरठ में एसएचओ हैं, की शिकायत पर मुट्ठीगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में कॉलेज के पूर्व

घटना के बाद हजारों छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कॉलेज प्रशासन ने विभागीय कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अमन तीन बहनों का इकलौता भाई था और एनसीसी कैडेट के रूप में तैराकी सीख रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से मां-बेटी सहित तीन घायल

झूंसी। थाना के कुछ दूरी पर के शहर की ओर से आती तेज रफ्तार स्कार्पियो सड़क पार कर रही माँ-बेटी सहित तीन लोगो को टक्कर मारते हुए अंदावा की ओर भाग निकली, हादशे में घायल सभी को इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कटका की रहने वाली बबिता अपनी 6 वर्षीय बेटी अन्या व एक रिश्तेदार लवली 18 को लेकर शुक्रवार की शाम मार्केट खरीदारी के लिए गई थी लौटते वक्त जीटी रोड पार कर रही थी शहर की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने तीनों को टक्कर मार मारते हुए फरार हो गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जाता है कि बबीता के कंधे और पैर में चोट है जबकि लवली के मुंह और होंठ पर गंभीर चोटें आई हैं। सभी का इलाज निजी हॉस्पिटल में चल रहा है।

सूचना

जगदीश बहादुर एजुकेशनल सोसाइटी, 25/1 जयरामपुर पटपर, सुबेदारगंज, राजरूपपुर प्रयागराज साधारण सभा के सदस्य पद हेतु श्रीवास्तव (कायस्थ) के आवेदन आमंत्रित है। प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर 9415286274 पर सम्पर्क कर आवेदन की औपचारिकता पूर्ण कर सकते हैं।

सुषमा श्रीवास्तव
सचिव/प्रबंधक
जगदीश बहादुर एजुकेशनल सोसाइटी 25/1 जयरामपुर पटपर, सूबेदारगंज प्रयागराज-211011

3 दिन में शरीर का पुनर्निर्माण ही तीन प्रकार का ज्ञान : स्वामी श्री योगी सत्यम्

ईसा मसीह शिष्यों के साथ (फाइल फोटो)

साधकों को प्रभु ईशा के बारे में विस्तार से समझाते क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम्

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झूंसी क्षेत्र महात्मा गांधी मार्ग पर स्थित क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार को गुडफ्राइडे पुनरुत्थान दिवस पर क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने साधकों को प्रभु ईशा के बारे में विस्तार से समझाते हुए बताया कि प्रभु ईसा ने इजराइल में कहा था कि तुम इस मंदिर को गिरा दो मैं 3 दिन में पुनः उसे बना दूंगा। लोगों ने प्रभु ईसा की बात को बिना पूरी तरह सुने भ्रम वश यह समझ लिया कि वह ईट पत्थर आदि से बने हुए बाहर के मंदिर को गिराने की बात कर रहे हैं तथा वह झूठा दावा रखते हैं कि इस मंदिर को गिराने पर वह मात्र 3 दिन में उसे पुनः बना देंगे । प्रभु यीशु बाहर के मंदिर की बात नहीं बल्कि शरीर मंदिर की बात कर रहे थे 3 दिन का अर्थ तीन प्रकार के ज्ञान से है दिन प्रकाश का प्रतीक है दिन में प्रकाश होता है तथा रात्रि में अंधकार होता है प्रकाश ज्ञान तथा अंधकार अज्ञान का प्रतीक है' 3 दिन का अर्थ तीन प्रकार का ज्ञान है भौतिक जगत तथा भौतिक शरीर का ज्ञान, सूक्ष्म जगत तथा सूक्ष्म शरीर का ज्ञान, कारण जगत तथा कारण शरीर का ज्ञान । भौतिक सूक्ष्म तथा कारण जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर मनुष्य भौतिक शरीर का पुनर्निर्माण कर सकता है इसके साथ ही साथ वह इच्छानुसार शरीर को किसी भी रूप रंग आकार प्रकार में बदल सकता है' तथा स्वामी जी ने यह भी बताया कि भौतिक सूक्ष्म तथा कारण जगत का ज्ञान प्राप्त होने पर मनुष्य के अंदर संपूर्ण सिद्धियां प्रकट हो जाती है।

चलती स्कूटी में लगी आग, भीषण गर्मी के चलते हुआ हादसा

प्रयागराज। प्रयागराज में गर्मी ने एक बार फिर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। धूमनगंज इलाके में नेहरू पार्क मोड़ के पास एक चलती स्कूटी में अचानक आग लग गई। स्कूटी से धुआं निकलते ही आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश शुरू की। आग पर काबू पाने तक स्कूटी का अधिकांश हिस्सा जल चुका था।

पिछले दो-तीन दिनों की राहत के बाद शहर में एक बार फिर गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। इस तरह की घटनाएं बढ़ती गर्मी के कारण और भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती परीक्षा में 3596 सफल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन ने उत्तर प्रदेश सिविल कोर्ट स्टाफ केंद्रीकृत भर्ती परीक्षा 2024-25 का परिणाम घोषित कर दिया है। 195 दिनों के रिकॉर्ड समय के भीतर स्टेनोग्राफर ग्रेड तृतीय, लिपिक संवर्ग, ड्राइवर ग्रेड चतुर्थ और श्रेणी घ संवर्ग के पदों के लिए आयोजित परीक्षा में 3596 उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया है। उच्च न्यायालय के निर्देशन में यह भर्ती प्रक्रिया राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की गई थी। परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले उम्मीदवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट www.allahabadhighcourt.in से परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

दो पक्षों के विवाद में चली गोली, युवक के पंजे में लगे छर्रे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दो पक्षों में विवाद के बाद फायरिंग की गई। एक राहगीर के पैर में गोली लगने से वह जख्मी हो गया। उसने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली के बादशाही मंडी निवासी अंकुर सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 15 अप्रैल को घर से दुकान के लिए निकला था। देखा कि कुछ लोग आपस में झगड़ा कर रहे थे। एक-दूसरे पर इंट-पत्थर चला रहे थे, जिसमें से एक तरफ से अमन अंसारी, दिलावर समेत अन्य लोग तथा दूसरी तरफ से मो. सबी एवं मो. जिशान आदि थे। आरोप है कि अचानक अमन अंसारी ने तमंचा निकालकर फायरिंग कर दी। तभी पीड़ित वहीं से गुजर रहा था, उसके पैर के पंजे में छर्रे लग गए, जिससे वह जख्मी हो गया। घायल ने किसी तरह थाने पहुंचकर शिकायत की। इसके बाद उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालकर मामले की जांच कर रही है।

छह जिला जजों ने ली हाईकोर्ट न्यायाधीश की शपथ

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को छह जिला जजों ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की शपथ ली। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने अपने न्याय कक्ष में आयोजित साढ़े समारोह में अन्य न्यायाधीशों, न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं की उपस्थिति में इन नवनियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई। हाईकोर्ट के न्यायाधीश की शपथ लेने वाले जिला जजों में जितेन्द्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार दशम, संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह एवं हरवीर सिंह शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के कारण शुक्रवार को न्यायिक कार्य दिन में 11 बजे प्रारंभ हुआ।

फतेहपुर मस्जिद गिराने के आदेश पर रोक

हाई कोर्ट ने यूपी सरकार से तीन हफ्ते में मांगा जवाब

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को फतेहपुर मस्जिद के ध्वस्तीकरण के आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही यूपी सरकार से याचिका पर 2 हफ्ते में जवाब मांगा है।याचिका की अगली सुनवाई 23 मई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली की याचिका पर दिया।याचिकाकर्ता ने कहा-आपत्ति पर विचार नहीं किया गया

याचिका पर वकील का कहना है कि धारा-67 के तहत केस की कार्रवाई 26 दिन में पूरी कर ली गई। याची को साक्ष्य पेश करने व सुनवाई का मौका नहीं दिया गया।

याची की आपत्ति पर विचार नहीं किया गया। ऋषिपाल केस के फैसले के विपरीत 22 अगस्त 24 को ध्वस्तीकरण का मनमाना आदेश दिया गया है। कोर्ट ने मुद्दा विचारणीय माना।याचिका पर वकील का कहना है कि 1976 में ग्राम सभा मलवा ने तीन बिस्वा जमीन दी थी। जिस पर मस्जिद बनी हुई है। जिसे अब तालाब की भूमि बताया जा रहा है।

इसी जमीन के एक हिस्से में 6-7 अन्य लोग काबिज हैं, जिन्हें 2021 में हटाने का आदेश हुआ है। लेकिन अब तक उस आदेश पर कोई अमल नहीं हुआ है। जबकि जिस जमीन पर मस्जिद बनी हुई है 26 दिन में सभी कार्यवाही पूरी कर ली गई।

तहसीलदार ने जारी किया था नोटिस

तहसीलदार ने तालाब की जमीन बताते हुए नोटिस जारी किया था। आदेश पारित किया। इसके खिलाफ डीएम फतेहपुर के समक्ष मस्जिद कमेटी ने अपील दाखिल की। डीएम ने ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ अपील खारिज कर दी। डीएम के ध्वस्तीकरण आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

खुशखबरी! इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 7 जिलों के दारोगाओं को दी बड़ी राहत, सेवा में बहाली का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मेरठ, शाहजहांपुर, बरेली, फिरोजाबाद, गोरखपुर, अलीगढ़ व बलिया में तैनात कुछ दारोगाओं को राहत देते हुए उन्हें नौकरी से निकालने का आदेश रद कर दिया है। कोर्ट ने सभी दारोगाओं को परिणामी लाभ सहित सेवा में बहाली का निर्देश दिया है।

यह आदेश जस्टिस अजित कुमार ने गौरव कुमार, रोहित कुमार, सुधीर कुमार गुप्ता, निर्भय सिंह जादौन और ज्योति व अन्य दारोगाओं की याचिका पर दिया है। याचीगण की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम व अतिप्रिया का कहना था कि नौकरी से निकालने से पूर्व उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने न तो सेवा नियमावली का पालन किया था और न ही कोई विभागीय जांच की गई। मुकदमे से जुड़े तथ्यों के अनुसार, उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने 9027 पुलिस उपनिरीक्षक पदों की भर्ती के लिए 24 फरवरी 2021 को विज्ञापन प्रकाशित कराया। चयन प्रक्रिया में आनलाइन लिखित परीक्षा, अभिलेखों की संवीक्षा, शारीरिक मानक व दक्षता परीक्षा और चिकित्सा परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य था।

याचीगण का चयन संपूर्ण प्रकिया में सफल होने के पश्चात फरवरी 2023 में हुआ था। उपनिरीक्षक पद पर नियुक्ति प्रदान की गई तथा मार्च 2023 में प्रशिक्षण के लिए भिजवाया गया। मार्च 2024 में पोस्टिंग दी गई। बोर्ड ने 27 अक्टूबर 2024 को इनका चयन यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि उन्होंने स्वयं लिखित परीक्षा नहीं दी, बल्कि उनके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पहुंचे प्रयागराज

विधानसभा पूरे देश के लिए बना मॉडल, कहा- जनता के लिए विधानसभा सत्र लाइव कराया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश माहाना शुक्रवार को प्रयागराज में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। यहां आगमन पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा प्रयागराज जंक्शन एवं चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में स्वागत किया गया। इसके बाद वह पूर्व राज्यपाल स्व. पं. केशरी नाथ त्रिपाठी के आवास पर पहुंचे। यहां उनके बेटे पूर्व अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी व कविता यादव त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। शाम को वह खान चौराहे पर स्थित वेडिंग प्वाइंट में शादी समारोह में शामिल हुए। शनिवार को वह कानपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। यहां पर उन्होंने उत्तर प्रदेश की विधानसभा मे चलने वाली कार्रवाई पर चर्चा करते हुए कहा कि विगत 3 वर्षों के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की विधानसभा देश के लिए उदाहरण बन चुका है। देश के अन्य प्रदेश के लोग

पत्रकारों से बातचीत करते सतीश महाना

यहां पर आते हैं। यहां की कार्रवाई को देखकर अपने प्रदेश के मॉडल के रूप में लेते हैं। आम जनता जानना चाहती है जिसे हमने अपना विधायक चुनाव वह विधानसभा में क्या कर रहा? इसके लिए विधानसभा सत्र को हमने कई सोशल मीडिया व चैनलों पर लाइव चलाने की व्यवस्था भी की।

पेपरलेस व हाइटेक हुआ विधानसभा

उन्होंने कहा कि 3 वर्षों में विधायक की पारदर्शिता को लेकर काफी बदलाव किए गए। हर विधायकों को परोक्ष रूप से जनता के साथ जुड़ने के लिए निर्देशित किए गए। उनकी मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को सदन के बीच में रखने के लिए कहा जाता है क्योंकि जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की और उनकी समस्या का निदान हमारे लिए सर्वप्रथम है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का स्वागत करते हुए

दरअसल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश माहाना अपनी निजी संबंधी के वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए यहां आए थे। इसके पूर्व प्रयागराज जंक्शन पर डॉ. शैलेश पांडेय, राजेश केसरवानी, विजय श्रीवास्तव, पवन मिश्रा, सुजीत कुशवाहा, रवि कुमार, गया प्रसाद, दीप द्विवेदी, मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी आदि ने उनका स्वागत किया।

प्रयागराज की सुंदरता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होगा : महापौर

अखंड भारत संदेश

दारागंज क्षेत्र में सुंदरीकरण का निरीक्षण करते महापौर गणेश केसरवानी

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने दारागंज के निराला चौराहा से दारागंज पुराना रेलवे पुल तक बने रोड एवं पार्क का निरीक्षण किया लगातार महाकुंभ संपन्न होने के बाद जनता जनार्दन एवं समाचार पत्रों के माध्यम से आ रही सूचना पर प्राप्त करते ही शुक्रवार दारागंज निराला चौराहा, दारागंज घाट एवं निराला चौराहा से दशासुमेर एवं दारागंज पुरानी रेलवे क्रॉसिंग जाने वाली रोड का निरीक्षण किया वहां पर बने पार्क का भी निरीक्षण किया महापौर ने निरीक्षण में पाई गई कमियों पर नाराजगी जताई तत्काल पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सिंचाई विभाग के अधिकारी नगर निगम के अधिकारी को निर्देशित किया कि महाकुंभ संपन्न हुए एक महीने हो गए हैं उसके बाद से कोई कार्य नहीं हुआ यह आप लोगों की लापरवाही है इस कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करें जिसमें लगातार आ रही समस्याओं और जनता को हो रही समस्याएं खत्म हो क्योंकि महाकुंभ के बाद लगातार विकास कार्यों पर अनावश्यक टिप्पणी हो रही है जिससे प्रयागराज के लिए या दुर्भाग्यपूर्ण सूचना है या लापरवाही बरती नहीं जाएगी इस कार्य को तत्काल पूर्ण रूप से संपन्न करें सबको जिम्मेदारी दिए हैं सबकी जवाबदेही होगी महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक हफ्ते के अंदर पार्क और साइड के रोड के अंदर से दशससुमेर घाट का सुंदरीकरण लगातार बना रहे ।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी पी डब्लू डी के अधिकारी सिंचाई विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे ।

विश्व धरोहर दिवस पर 'हमारी विरासत' विषयक छायाचित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर आज क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, प्रयागराज एवं क्षेत्रीय अभिलेखागार इकाई के संयुक्त तत्वावधान में हमारी विरासत विषय पर आधारित छायाचित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कला संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर हेरम्ब चतुर्वेदी द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में मल्हार (चंदौली), बनरसिहा कला (महराजगंज), चुनार किला (मिजार्पुर), शैलोत्कीर्ण प्रतिमाएं (देवगढ़, ललितपुर), सीतापुर की कल्पा देवी इष्टिका मंदिर, आस्तिक बाबा इष्टिका मंदिर, छतर मंजिल पैलेस, फरहत बख्श कोठी (लखनऊ) तथा बटेश्वर मंदिर (आगरा) जैसे महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों से प्राप्त धरोहरों को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही, अभिलेख प्रदर्शनी में प्रयागराज के नगरीय विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा।मुख्य अतिथि प्रो. चतुर्वेदी ने प्रदर्शनी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी न केवल हमारी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता से परिचित कराती हैं, बल्कि युवा पीढ़ी एवं शोधार्थियों के लिए भी अमूल्य जानकारी का स्रोत हैं।

स्वागत एवं अभिनंदन क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डॉ. सुभाष चंद्र यादव द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन प्राविधिक सहायक राकेश कुमार वर्मा ने किया।इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग की डॉ. गार्गी चटर्जी एवं डॉ. सुचित्रा मजूमदार सहित श्याम सुंदर पटेल, नवल कृष्ण, बृजमोहन, अंगद पटेल, संस्कृति विभाग से हरिश्चंद्र दुबे, डॉ. शाकिर तालाब, शैलेंद्र यादव, शुभम, सुजाता केसरी, निर्भय प्रजापति, राजू यादव, हरीश एवं श्वारिका सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।गौरतलब है कि इसी क्रम में दिनांक 19 अप्रैल 2025 को विश्व धरोहर विषयक एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों की सहभागिता अपेक्षित है।

जिलाधिकारी ने की राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा

● प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी के बैठक में उपस्थित न रहने पर डीएम ने जताई नाराजगी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर-करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन के सम्बन्ध जानकारी प्राप्त की। बैठक में डीएम ने नई आबकारी दुकानों के सत्यापन के सम्बन्ध में जानकारी ली तो जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि दुकानों का सत्यापन करा लिया गया है और दुकाने निर्धारित स्थल पर स्थित है। परिवहन विभाग की समीक्षा में कामर्शियल बसों की परमिट के रूट के बारे में जानकारी ली गयी तो एआरटीओ द्वारा कोई स्पष्ट जवाब न देने पर डीएम ने एआरटीओ को कड़ी फटकार लगायी और निर्देशित किया कि अगली बैठक में मण्डलीय कार्यालय से सूची मंगाकर उपलब्ध करायें। वाणिज्य कर अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मैरेज हाल, आरा मशीन, भट्ठों, कामर्शियल वाहन मालिकों की सूची, विद्युत विभाग से 10 किलोवाट ऊपर के कनेक्शन की सूची, श्रम विभाग से जिन संस्थानों में 20 लेबर कार्य कर रहे है उनकी सूची, उद्यान विभाग से कोल्ड स्टोरेज की सूची, कोचिंग सेन्टर आदि की सूची प्राप्त कर नियमानुसार जीएसटी की वसूली की जाये जिससे आय को बढ़ाया जा सके। वन विभाग की समीक्षा में

संबंधितों के साथ समीक्षा करते जिलाधिकारी

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी उपस्थित न रहने व उनके द्वारा अपने अधीनस्थ को भेजे जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और जनपद में संचालित आरा मशीनों के नाम व पता सहित सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये और अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि सूची प्राप्त होने पर उपजिलाधिकारी से सत्यापन कराया जाये, सत्यापन में अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन की समीक्षा में एआईजी स्टाम्प से स्टाम्प वाद के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी उनके द्वारा स्पष्ट जानकारी न देने पर अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी कार्यालय में स्टाम्प वाद के जितने भी प्रकरण लम्बित है उसे निस्तारित कराया जाये। स्टाम्प में बड़े बकायेदारों की जो आरसी जारी है उन बड़े बकायेदारों से सख्ती के साथ वसूली करायी जाये। मण्डी सचिव से जानकारी ली गयी कि महुली मण्डी में बनी समस्त दुकानें संचालित हो रही है या नही एवं सभी के नवीनीकरण हुये कि नही तो बताया गया कि सभी दुकानें संचालित हो रही है एवं नवीनीकरण करा लिये गये है। नगरीय निकाय से हाउस टैक्स और वाटर टैक्स के बारे में जानकारी प्राप्त की तो अवगत कराया गया कि 2011 के बाद अभी तक कर में बढ़ोत्तरी नही की गयी है, हाउस टैक्स एवं वाटर टैक्स की बढ़ोत्तरी की पत्रावली प्रक्रिया में है जल्द ही करा ली जायेगी। खनन विभाग की समीक्षा में निर्देशित किया कि कितने भट्टे क्रियाशील है और कितनों का नवीनीकरण नही हुआ है उसकी जांच कर ली जाये और अवैध खनन कदापि न होने पाये। उन्होने निर्देशित किया कि अवैध टैक्सी स्टैण्ड, अवैध बस स्टैण्ड एवं अवैध होर्डिंग को चिन्हित कर कार्रवाई की जाये। अन्त में जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यो एवं दायित्वों का सम्यक निर्वहन करें, लापरवाही कदापि न बरते, अन्यथा की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0श्रा0) आदित्य प्रजापति, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी, समस्त उपजिलाधिकारी सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

सत्रह नामजद व डेढ़ सौ अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओ मे केस

लालगंज। दम्पती की दुर्घटना में हुई मौत से आक्रोशित परिजनो व ग्रामीणो द्वारा सडक जाम पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। सांगीपुर पुलिस ने हाइवे को जाम करने को लेकर सत्रह नामजद तथा एक सौ पचास अज्ञात के खिलाफ गुरूवार की रात केस दर्ज किया है। आरोपियो मे पुलिस ने कुछ अज्ञात अधिवक्ताओ को भी आरोपी बनाया है। हलके के दरोगा विनय प्रताप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने सांगीपुर थाना के देउम पश्चिम गांव के कमलेश व शिवपती मंगलवार को अज्ञात कार की टक्कर से दुर्घटना में घायल हो गये। घायल दम्पती की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गयी थी। घटना को लेकर गुरूवार की सुबह नाराज परिजनो ने ग्रामीणो के साथ सांगीपुर लालगंज हाइवे पर मृतक दम्पती का शव रखकर तीन घंटे से अधिक का जाम लगा दिया था। सीओ के आश्वासन पर जाम समाप्त हो सका। दम्पती के अंतिम संस्कार के बाद गुरूवार की रात सांगीपुर पुलिस ने जाम लगाने वाले आरोपियो पर सरकारी काम मे बाधा एवं भय व दहशत का माहौल उत्पन्न करने समेत गंभीर धाराओ मे केस दर्ज किया है। पुलिस ने गांव के मुकेश, मंगेश रजक पुत्रगण कमलेश, योगेश रजक, मंजीत रजक, हितेश रजक, अमित, सोनू, आशुतोष, दिलीप, शुभम पाण्डेय, अवनीश, अमर, ऋतिक, दिनेश, नीशू, महेन्द्र तथा कुछ अज्ञात अधिवक्ताओं व राजनैतिक दलों के कार्यकताओं समेत एक सौ पचास अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। थानाध्यक्ष मनीष त्रिपाठी का कहना है कि केस दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

गांव में हुआ मृतक का अंतिम संस्कार, झुलसों का इलाज जारी

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना के भंवरी सराय गांव में गैस रिसाव के धमाके मे हुई मौत को लेकर शुक्रवार को भी गांव मे गम का माहौल देखा गया। वही पीएम के बाद मृतक अशोक का परिजनों ने गांव मे ही गुरूवार की देर रात अंतिम संस्कार कर दिया। पन्द्रह अप्रैल की रात हुए गैस रिसाव को लेकर हुए धमाके मे अशोक की इलाज के दौरान स्वरूपरानी मेडिकल कालेज मे मौत हो गयी थी। वही घटना में सात अन्य झुलसे लोगों का इलाज अभी भी लखनऊ के किंग जार्ज अस्पताल में जारी है।

सीएम ने नर्सिंग होम संचालक के खिलाफ डीएम-एसपी को सौंपी जांच

बेलखरनाथ धाम। आयुष्मान कार्ड पर नर्सिंग होम में इलाज न करने की शिकायत पर सूबे के मुखिया ने मामले की जांच करने का आदेश दिया है। जिससे नर्सिंग होम संचालकों में हड़कंप मच गया है।बाबा बेलखरनाथ धाम के अंतर्गत पिपरी खालसा गांव निवासी आयुष्मान कार्ड धारक देवी प्रसाद द्विवेदी को हर्निया था जिसका आपरेशन कराने के लिए वह आयुष्मान कार्ड लेकर संजीवनी नर्सिंग होम गए जहां अस्पताल के संचालक डॉ एस. एस. गुप्ता ने आयुष्मान कार्ड पर आपरेशन करने से मना करते हुए पैसे की मांग की।इस मामले की शिकायत पीड़ित के बेटे रवि कुमार द्विवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित चिकित्सा विभाग के आला अधिकारियों से की जिस पर मुख्यमंत्री ने कड़ा एक्शन लेते हुए मामले की जांच डीएम शिव सहाय अवस्थी तथा एसपी डॉ अनिल कुमार को सौंपी है।मुख्यमंत्री के उप सचिव भास्कर चंद्र काण्डपाल ने जांच को 15 दिनों पूरा कर 26 अप्रैल तक प्रेषित करने का आदेश दिया है।

सगे भाइयों को ट्रक ने मारी टक्कर

पट्टी। बाइक सवार दो सगे भाइयों को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी में लाकर भर्ती कराया गया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के रसूलहा गांव निवासी रामशरण पाल व रामकृपाल बाइक से मंगरौरा की तरफ गए हुए थे। वापस लौटते समय शुक्रवार की शाम मंगरौरा बाजार के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। आस-पास के लोग दोनों सगे भाइयों को 108एंबुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी पट्टी भेजा जहां उनका इलाज चल रहा है।

दो आरोपियो के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मारपीट गालीगलौज व धमकी का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के परसपुर गांव निवासी सोहन लाल वर्मा पुत्र रामसुमेर वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि आठ अप्रैल को दोपहर लगभग तीन बजे आरोपीगण रास्ते में मकान का बारजा निकालने लगे। विरोध करने पर आरोपियों रामखेलावन पुत्र कालूराम तथा फूलचंद्र पुत्र रामखेलावन ने गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

दुकानदार पर चाकू से हमला, की तोड़फोड़

पट्टी। अंडा व्यापारी पर युवकों ने चाकू से हमला बोल दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद बाजार में मची अफरा-तफरी मच गई।सूचना पर पहुंची पुलिस घटना का जायजा लेते हुए युवकों की तलाश में जुट गई। कंधई थाना क्षेत्र के बनी तेरामील गांव के रहने वाले संजय यादव बाजार में ही अंडा का व्यवसाय करता है। गुरूवार की देर शाम वह अपनी दुकान पर मौजूद था, इस दौरान उसकी दुकान पर बाइक से आई युवकों से किसी बात को लेकर बहस हो गई। युवकों ने देखते ही देखते उसके ऊपर चाकू से हमला बोल दिया, आरोप है कि उसके जेब में रखा एक हजार रूपया निकाल लिया। यह सब देख आस-पास मौजूद लोगों ने किसी तरह अंडा व्यवसाय की जान बचाई। युवक जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग निकले। घायल व्यापारी ने डायल 112 पुलिस व कंधई थाने पर सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़ित ने नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कंधई थाना अध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जांच पड़ताल की गई और घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दो ट्रक की आपस में हुई टक्कर, एक की मौत

पट्टी। ढकवा बाजार के समीप दो ट्रक आपस में टकरा गए। जिसमें एक ट्रक चालक की इलाज के दौरान मौत हो गई तो वहीं दूसरा ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। ट्रक मालिक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। लखनऊ जनपद के बादशाह की 12 डालीगंज निवासी दिलीप कुमार मिश्रा ने आसपुर देवसरा पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी मां रानी देवी के नाम से एक ट्रक रजिस्टर्ड है। जिसे फतेहपुर निवासी बृजेश कुमार मिश्रा चलता था। वह बाराबंकी से सामान लेकर वाराणसी गया था। वहां से बीती रात एक बजे के आस-पास ट्रक खाली करके लखनऊ लौट रहा था। ढकवा बाजार के समीप तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक चालक ने उसकी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी ट्रक क्षतिग्रस्त हुई है, वहीं चालक ब्रिजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसे इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ ले जाया गया। जहां पर इलाज के दौरान शुक्रवार की दोपहर में उसकी मौत हो गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीसरे नेत्र से होगी उड़ैयाडीह बाजार की निगरानी, लगा सीसीटीवी कैमरा

● पट्टी रानीगंज मार्ग से जुड़े ग्राम सभाओं के प्रधान भी लगवाएंगे कैमरे

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। उड़ैयाडीह बाजार में अब सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। तीसरे नेत्र बाजार में अराजकता फैलाने वाले उपद्रवियों, चोर उचक्के व बदमाशों पर अपनी पैनी नजर रखेगी। इसके साथ ही पट्टी रानीगंज मार्ग से सटे ग्राम सभाओं के प्रधानों भी सड़क किनारे सीसीटीवी कैमरा लगवाए जायेंगे। शुक्रवार को पट्टी कोतवाल अवन कुमार दीक्षित उड़ैयाडीह बाजार में ग्राम प्रधानों, व्यापारियों व सम्मानित लोगों के साथ एक बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगने से अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी तथा चोर उचक्के भी पकड़े जाएंगे। पट्टी इंस्पेक्टर ने बाई पास पर

प्रधान द्वारा लगवाये गये कैमरे की निगरानी करने पहुंचे पट्टी इंस्पेक्टर

ग्राम प्रधान द्वारा लगवाएं गए सीसीटीवी कैमरे निगरानी की तथा बैठक में मौजूद अन्य ग्राम प्रधानों से पट्टी रानीगंज मार्ग पर सड़क किनारे व बाजार के दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए अपील किया। बैठक में एसआई श्रीप्रकाश राय, सिपाही विनोद सिंह, सत्यम शर्मा पवन अवस्थी के अलावा ग्राम प्रधान अरूण कुमार सोनी, आलोक कुमार, शिव राम यादव, पूर्व प्रधान धर्मेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, कृष्ण कुमार मिश्र, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

छापेमारी में चार कुंतल लहन व तीस लीटर शराब बरामद

लहन व शराब नष्ट करती पुलिस

लालगंज। आबकारी निरीक्षक लालगंज के नेतृत्व में शुक्रवार की सुबह आबकारी टीम ने छापेमारी करके बड़े पैमाने पर बरामद लहन को नष्ट कराया। वहीं टीम ने तीस लीटर देशी शराब भी बरामद की। मामले मे आबकारी निरीक्षक ने दो आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आबकारी निरीक्षक लालगंज अशोक कुमार ने आबकारी टीम के साथ लीलापुर थाना क्षेत्र के हण्डौर व बल्दियान में छापेमारी की। इस दौरान खेतों में छिपाकर रखे गये करीब चार कुंतल लहन को नष्ट कराया। वही मौके से तीस लीटर देशी शराब की भी बरामदगी की गयी। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि दो आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पेट्रोल पंप कर्मी से बस सवार लोगों ने की मारपीट

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप कर्मी से बस सवार लोगों ने जम-कर मारा की। जिसका सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। मामले में पुलिस ने कर्मी का मेडिकल कराते हुए अग्रिम कार्रवाई कर रही।

अंबेडकर नगर जनपद के कमरिया घाट निवासी गोपीचंद पुत्र सीताराम हरिजन बीबीपुर गांव स्थित पेट्रोल पंप पर काम करता है। उसका आरोप है कि शुक्रवार को बस पर सवार कुछ लोग उसकी पेट्रोल पंप पर आए और पेट्रोल डालने वाली मशीन से सटाकर बस को खड़ा कर दिया। उसने जब बस को थोड़ा पीछे करने के लिए कहा तो बस से कई लोग नीचे उतर आए और उसकी पिटाई शुरू कर दी। जिससे उसे काफी चोटे आ गई। पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में या घटना कैद हो गई, जो दोपहर बाद से

सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज

वायरल हो रही है। पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस घायल को मेडिकल के लिए भेजते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। इस संबंध में एडिशनल एसपी पूर्वी दुर्गेश सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज उनके संज्ञान में है। घायल का मेडिकल कराया गया है, अन्य कार्रवाई की जा रही है।

संपर्क मार्ग बनवाएं जाने की मांग

बेलखरनाथ धाम। कई गांवों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को आरसीसी कराए जाने की मांग ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से की है। ग्रामीणों का कहना है कि इसके बनने से किसानों को खेतों में जाने के की सुविधा मिलेगी।बाबा बेलखरनाथ धाम ब्लाक के अंतर्गत गडौरी कलां गांव के राम आसरे मिश्र सहित कई ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए मांग की है कि उनके गांव के खेतों के बगल गाटा संख्या 362, 365 व 361 के मध्य से एक चकमार्ग रास्ता गया है जो बिल्कुल खराब हो गया है। इसके बनने से पूरे बोधराम मैनहा, अखौवा व असुठी गांव के ग्रामीणों के साथ ही हमारे गांव वालों को भी अपने खेतों में जुताई बुआई करने व अनाज को घर लाने में सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए संपर्क मार्ग को आरसीसी कराए जाने की मांग की है।

भागवत कथा के पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्रीमद्भागवत कथा के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारम्भ होकर आसपास स्थित मंदिरों से होते हुए पुनः कथा स्थल पर समाप्त हुई।

मान्धाता विकासखण्ड के पनियारी गांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। भागवत कथा के पूर्व यजमान गायत्री देवी के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। महिलाएं सिर पर आस्था का कलश लिये हुए आसपास स्थित मंदिरों में होते हुए मंगलगीत गाते हुए पुनः कथा स्थल पर पहुंची। इसके बाद कथा वाचक श्याम सुंदरदास महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान श्रीराम द्विवेदी, हरे कृष्णा द्विवेदी, वेद दुबे, जटाशंकर, दिवाकर दुबे, अलोक सिंह, प्रधान प्रतिनिधि अलोक दुबे, गिरजा दुबे, राम दुबे, श्याम दुबे, शिवशंकर दूबे, सुनील दूबे, राकेश दूबे, मुन्ना लाल, आशुतोष दुबे, राजू, अखिल, प्रिंस, पप्पू दुबे, माधव, राघव सहित भारी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में प्रतिस्पर्धा आवश्यक : श्रुति शुक्ला

प्रतापगढ़। धधुआ गाजन स्थित आइंस्टीन पब्लिक स्कूल मे मेधा प्रोत्साहन दक्षता परीक्षा का आयोजन किया गया । पीटीएसई 2025 के तहत इस परीक्षा में विभिन्न विद्यालयो के छात्र एवं छात्राओ की उत्साहजनक सहभागिता दिखी। निदेशिका श्रुति शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार की प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओ का आयोजन का उददेश्य सर्वश्रेष्ठ मेधाविो को छात्रवृत्ति के जरिए हौसला आफजाई प्रदान करना है। उन्होने कहा कि मेधावी छात्र एवं छात्राओं के पठन पाठन के वातावरण को मजबूत बनाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण में यह पहल सराहनीय है। विद्यालय के संरक्षक विभवभूषण शुक्ल ने भी मेधावी छात्र छात्राओं को सफलता के टिप्स दिये। अध्यक्षता प्रधानाचार्य मनोज ओझा व संचालन उप प्रधानाचार्य अन्द्रि डिसिलुवा ने किया। इस मौके पर डॉ. सौरभ मिश्र, योगेन्द्र शुक्ल, गरिमा मिश्रा, महेन्द्र पाठक आदि मौजूद रहे।

पड़ोसियों ने दम्पति पर किया जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

पट्टी। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने लाठी डंडा व कुल्हाड़ी से युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव को पहुंची उसकी पत्नी को भी मारा पीटा। घायल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत ढकवा के सोनपुरा वार्ड निवासी ज्ञानेश चंद्र उपाध्याय ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि जमीनी रंजिश को लेकर पड़ोसी ब्रजेश उपाध्याय, उत्कर्ष उपाध्याय, लाठी डंडा व कुल्हाड़ी लेकर उस पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव को पहुंची उसकी पत्नी को भी मार-पीट कर घायल कर दिया गया। घायल दंपति 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी अमरगढ़ आए। जहां से इलाज के बाद वह थाने पहुंचे। पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस ने आरोपियों पर जानलेवा हमला व विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज। क्षेत्र के पूरे भवराम बोझी में चल रही श्रीमदभागवत कथा में शुक्रवार को कथाव्यास पं. धीरेन्द्रपाल त्रिपाठी के मुखारबिंद से भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं की कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। वहीं कथा में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर झांकी का दर्शन कर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की। आयोजन समिति द्वारा कथाव्यास जी को मान पत्र व माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। कथाव्यास पं. धीरेन्द्रपाल त्रिपाठी ने बताया कि भगवान का जन्म जीवों के उद्धार के लिए ही होता है। भगवान के सम्मुख जीव के आने पर वह उसका उद्धार अवश्य करते हैं। कथाव्यास ने बताया कि भगवान जिसे

भी स्वीकार कर लिया करते है उसका समस्त दोष स्वतः मिट जाया करता है। उन्होने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे चंद्रमा में दोष है पर भगवान शंकर ने चंद्रमा को धारण किया तब वह जगत के लिए वंदनीय हो गया। श्रीमदभागवत ऐसी कथा है जो जीवन के उददेश्य तथा दिशा को दशार्ती है। भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य में सकारात्मक ऊर्जा को मजबूती मिला करती है। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कथाव्यास ने बताया कि भगवान ने ब्रज में रहकर माखन चोरी की लीलाएं की। वही उन्होने राक्षसी पूतना, बकासुर, अधासुर जैसे दैत्यों का उद्धार भी किया। कालियामर्दन तथा गोवर्धन पर्वत को धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा भी की। भागवत कथा के मुख्य आयोजक यज्ञ नारायण शुक्ल, हरिकन्या, सूर्य नारायण शुक्ल, गायत्री देवी तथा परमात्मादीन शुक्ल व नीलम ने वैदिक मंत्रोचार के बीच व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता देवानंद त्रिपाठी, देवी प्रसाद मिश्र बेलौरा, जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, अम्बिका प्रसाद शुक्ल, प्रकाशचंद्र मिश्र, आचार्य विनय शुक्ल, पप्पू तिवारी, अतुल शुक्ल, गुरू प्रसाद मिश्र, उदयशंकर दुबे, प्रधान गिरजाशंकर दुबे, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, नवीन शुक्ल, दिनेश सिंह, देवी प्रसाद तिवारी, रमाकांत, प्रतीक, आलोक आदि मौजूद रहे।

संवेदनशील स्थानों मस्जिदों का भ्रमण कर पुलिस बल द्वारा नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने हेतु संवेदनशील स्थानों पर लागातार ड्रोन कैमरे से भी पुलिस बल द्वारा की गयी निगरानी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में जुमा की नमाज के दृष्टिगत जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत जनपद के समस्त थानों की पुलिस द्वारा संवेदनशील स्थानों मस्जिदों का भ्रमण कर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। जुमा की नमाज के अवसर पर जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश श्रीवास्तव द्वारा जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के साथ जनपद के संवेदनशील स्थानों मस्जिदों पर भ्रमण कर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया।जुमा की नमाज के अवसर पर जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी कौशाम्बी द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के साथ जनपद के संवेदनशील स्थानों मस्जिदों पर भ्रमण कर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। जुमा की नमाज के अवसर पर जनपद की विभिन्न मस्जिदों में नमाज को सकुशल संपन्न कराये जाने एवं समसामयिक प्रकरणों के दृष्टिगत समस्त क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा अपने सर्किल के संवेदनशील स्थानों मस्जिदों का भ्रमण कर नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया।नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने एवं संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने हेतु संवेदनशील स्थानों पर लागातार ड्रोन कैमरे से भी पुलिस बल द्वारा निगरानी की गयी।

जुमे की नवाज को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

कोखराज कौशाम्बी सिराथू तहसील क्षेत्र के चाकवन चौराहे में जुमे की नवाज को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट रहा तहसीलदार अन्नत राम अग्रवाल व पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में नमाज अदा की गयी नमाजियों से तहसीलदार ने नमाज के बाद हालचाल भी पूछा और कहा कि कोई परेशानी तो नही रहती तभीनमाजियों ने बताया कि यहाँ पर बहुत ही शान्ति पूर्ण नमाज होती हैं लोग आपसी भाई चारे के साथ रहते है मौके पर तहसीलदार व पुलिस प्रशासन रहा मौजूद।

न्यूज झरोखा

गेहूं की फसल जलकर हुई खाक

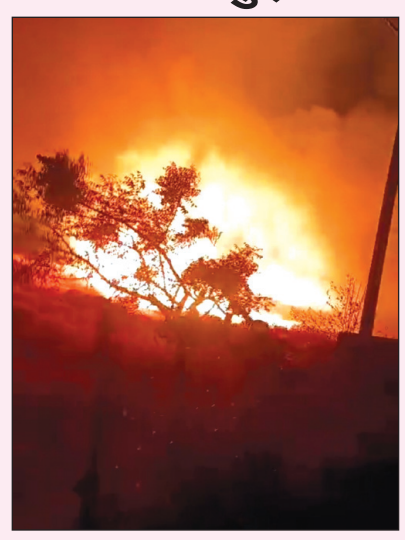

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के कौशांबी थाना अंतर्गत गोपाल मिश्र का पूरा में बिजली विभाग की घोर लापरवाही से 3 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गयी है उमाशंकर मिश्र के खेत में शॉर्ट शर्किट से गेंहू की फसल में आग लग गई जिससे 3 बीघा गेहूं की फसल जल कर खाक हो गयी इस घटना में लाखों रुपए का नुकसान बताया जाता है आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर तमाम ग्रामीण पहुंच गए मामले की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई अग्नि शमन विभाग और गांव के किसानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है बिजली विभाग की लापरवाही लगातार उजागर हो रही है और किसान की फसल बर्बाद हो रही है लेकिन उसके बाद बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करके उनकी विभागीय जांच नहीं कराई जा रही है

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का आगाज

महेवाघाट कौशांबी। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आगाज शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ पूर्ण धार्मिक विधि-विधान के साथ हुआ। कलश यात्रा निज निवास अंधावा पश्चिम शरीरा से शुरू हुई। कलश यात्रा का पूजन मुख्य यजमान श्रीमती देवकन्या देवी ने करवाया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ पूजन मुख्य सेवादार अमित मिश्रा पत्नी आरती देवी ने करवाया। कलश यात्रा का गांव में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कलश यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं कलश व श्रीफल लिए चल रही थी। कलश यात्रा में सबसे आगे भक्ति सागर की स्वर लहरियां बिखेरता डीजे चल रहा था। श्रद्धालु भक्ति रचनाओं पर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई कथा स्थल पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में गांव के प्रबुद्ध नागरिक शामिल थे। दोपहर बाद श्रीमद् भागवत कथा का आगाज हुआ। कथा व्यास उमाकांत मणी वृंदावन वाले ने श्रीमद् भागवत के महात्मय के बारे में विस्तार से बताया व कहा कि कथा श्रवण का फल भाग्यशाली को मिलता है। भगवान को पाने के लिए भाव का होना जरूरी है व परमात्मा कण-कण में विद्यमान है। मथुरा प्रसाद मिश्रा राकेश कुमार मिश्रा विपिन कुमार मिश्रा अजय कुमार मिश्रा सहित समस्त ग्रामवासी कलश यात्रा में सम्मिलित रहे।

सरकारी नाला पर कब्जा किए जाने से जल निकासी की हो रही समस्या

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के शमशाबाद गांव निवासी अरविंद कुमार कसेरा पुत्र सुभाष चंद्र कसेरा द्वारा पड़ोसी गांव रामपुर धमवा के जमीन में बने सरकारी नाला पर बलपूर्वक कब्जा किया जा रहा है नाला में मिट्टी डालकर उसे समतल कर दिया गया है जिससे जल निकासी की समस्या खड़ी हो गई है गांव के लोगो ने मामले की शिकायत अधिकारियों से की है लेकिन दबंग के आगे नाला पूर्व की भांति खुल नहीं सका है जिससे जल निकासी की समस्या लोगों के सामने बनी हुई है नाला में कब्जा होने से बरसात होते ही बारिश का पानी गांव से बाहर नहीं निकल पाएगा जिससे बाढ़ आने की भी संभावना बताई जाती है सवाल उठता है कि सरकार लाखों रुपए खर्च करके जल निकासी के लिए नाला का निर्माण कराती है और दबंग लोग नाला के ऊपर कब्जा करके पानी के बहाव को रोक देते हैं और उसके बाद भी ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान से लेकर पंचायत सचिव तक नाला कब्जा करने वालों पर मुकदमा दर्ज करने के लिए पहल नहीं करते हैं जिससे ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की भी भूमिका पर तमाम सवाल खड़े होते हैं लोगों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए नाला पर किए गए अवैध कब्जे को हटाए जाने की मांग की है।

अलग-अलग थाना पुलिस ने दो वारंटी को किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले के दो अलग-अलग थाना पुलिस ने दो अलग-अलग वारंटी को गिरफ्तार किया है और वारंटी को गिरफ्तारी के बाद थाना पुलिस ने उन्हें अदालत में पेश किया है जानकारी के मुताबिक थाना मोहब्बतपुर पइंसा थाना पुलिस ने वारन्टी अभियुक्त रसीदा बानो पत्नी रसीद अहमद निवासी मोहब्बतपुर पइंसा को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इसी तरह थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त रामलाल पुत्र सजीवन निवासी बारियावा थाना चरवा को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात दोनों थाना पुलिस ने दोनों वारंटी अभियुक्तों को अदालत में पेश किया है।

हत्या के प्रयास का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास का वांछित अभियुक्त सलीमुद्दीन पुत्र जमील उद्दीन निवासी राशिदमाई थाना कड़ा धाम को थाना क्षेत्र के रसीद मई गांव से गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात प्राण घातक हमले के आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश किया है।

मुँह ढककर आए व्यक्तियों ने डॉक्टर से बल पूर्वक सादे कागज में कराया हस्ताक्षर

भरवारी कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 24 मेहता रोड शहीद गुलाब सिंह नगर में रवि दत्त त्रिपाठी पुत्र लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने क्लीनिक खोल रखा है 18 अप्रैल को शाम 5:00 बजे के लगभग मुंह बांधकर मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति उनके क्लीनिक में पहुंचे और गाली गलौज करते हुए बलपूर्वक उनसे सादे कागजात में हस्ताक्षर करवा लिया है डॉक्टर का कहना है कि हस्ताक्षर करवाने के बाद दोनों परसरा की तरफ चले गए हैं मामले की सूचना डॉक्टर ने चौकी पुलिस भरवारी को दी है।

वांछित अभियुक्त को सराय अकिल पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त रामनिवास यादव पुत्र श्रीपाल यादव निवासी गोठना गुन्नौर जनपद संभल को गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात थाना पुलिस ने वांछित अभियुक्त को अदालत में पेश किया है।

शांति भंग में पांच आरोपी गिरफ्तार

कौशांबी। जिले के करारी पश्चिम सरिया और चरवा थाना पुलिस ने शांति भंग के आरोप में अलग-अलग पांच लोगों को गिरफ्तार किया है पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने में आरोपियों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गई है।

अवैध बालू खनन को लेकर माफिया और नाविक के बीच विवाद

खनन का नहीं है पट्टा फिर भी माफिया कर रहे हैं खुलेआम यमुना नदी से बालू का खनन

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के यमुना नदी के बालू घाट में खनन विभाग ने किसी भी ठेकेदार को खनन का पट्टा नहीं दिया है बालू खनन करने की अनुमति सरकार ने नहीं दी गई है लेकिन उसके बाद माफिया यमुना नदी के घाट से बेखौफ तरीके से प्रतिदिन पूरे समय बालू का अवैध खनन कर रहे हैं प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है बताया जाता है कि बालू खनन करने वालों के प्रभाव के आगे प्रशासन नतमस्तक है अवैध खनन को लेकर बालू माफिया और नाविक के बीच जमकर विवाद हुआ है चर्चा है कि फायरिंग भी हुई है। पिपरी थाना क्षेत्र से परिवहन कर रहे प्रयागराज के मझियारी वा नौरीया बालू घाट में बीती रात फिर से ताबड़ तोड़ फायरिंग हुई कई डंपर का सीसा गोली लगने से टूट गया ड्राइवर बाल बाल बचे है रात दस बजे लोडिंग करके आते हुवे डम्फरो पर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़ तोड़ गोलियां चलाई कई राउंड फायरिंग के बाद बालू घाट पर अफरा तफरी मच गई ड्राइवर गाड़ी छोड़ इधर उधर भागकर छुप कर किसी तरह जान बचाई लेकिन इस फायरिंग में कई गाड़ियों के शीशे टूट गए पूरी रात लोडिंग बन्द रही इस मामले में अवैध खनन करने वाले बालू घाट मालिकों ने चुप्पी साध रखी है जब की मामला बढ़ता ही जा रहा है अवैध बालू घाट नही बन्द हुआ तो खूनी संघर्ष की आशंका जताई जा रही है । गोली काण्ड का कारण बोट की ठेकेदारी बताई जा रही है पिछले दिनों पिपरी के औधन गांव के शिव लखन निषाद को भी हमलावरों ने निशाना बनाया था जिसमे उसके कमर में गोली छू कर निकल गई थी हालांकि इस घटना में भी साजिश की बू आ रही है औधन बालू घाट में भी बालू खनन का आदेश नहीं दिया गया है लेकिन फिर भी बेखौफ तरीके से बालू का खनन होता है यमुना नदी में स्थान निर्धारित करके पत्थर गढ़ी विभाग ने नहीं की है उसके बाद भी बालू का खनन हो रहा है जिससे बालू माफिया और नाविक के बीच दिनों दिन विवाद बढ़ता जा रहा है।

93 बीघा वक्फ बोर्ड की संपत्ति को प्रशासन ने किया चिन्हित

कौशांबी केंद्र सरकार का निर्देश मिलते ही जिले में वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर जिला अधिकारी के निर्देश पर चिन्हित करने की कार्यवाही शुरू हो गई है सिराथू तहसील के कड़ा धाम में 93 बीघा वक्फ बोर्ड की संपत्ति को प्रशासन ने चिन्हित करते हुए सरकारी खाते में दर्ज कराया है। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि जिले में कुल 98.95 हेक्टेयर भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज है। जिसमें अब तक 93 बीघा वक्फ संपत्ति को चिन्हित करते हुए सरकारी खाते में दर्ज कराया गया है। जांच में यह पाया गया है कि वक्फ बोर्ड के नाम से पहले यह भूमि ग्राम समाज के खाते में दर्ज थी बाद में ग्राम समाज की भूमि को वक्फ बोर्ड के खाते में दर्ज कर दी गई थी जिसे चिन्हित कर दिया गया है उन्होंने कहा कि आगे उत्तर प्रदेश सरकार से या सुप्रीम कोर्ट से जो दिशा निर्देश मिलेगा उस आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

दूसरे का खेत पेड़ कब्जा कराने का ठेका लेने वाले चौकी इंचार्ज रच रहे हैं विवाद की साजिश

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था न्याय प्रियता और पीड़ित को त्वरित न्याय दिए जाने के निर्देश पर चौकी इंचार्ज शमसाबाद तानाशाही करके मनमानी तरीके से कानून व्यवस्था को चलाना चाहते हैं विवाद उत्पन्न कराकर दूसरे के खेत पेड़ पर कब्जा कराने का ठेका लेने वाले चौकी इंचार्ज शमशाबाद के कारनामे से इलाके में न्याय व्यवस्था का गला घोटा जा रहा है न्याय के लिए आम जनता परेशान है शमशाबाद चौकी इंचार्ज के तानाशाही का आलम यह है कि अब वह कोतवाल मंझनपुर की भी बात मानने को कतई तैयार नहीं है दूसरे के खेत और पेड़ पर कब्जा कराने का चौकी इंचार्ज में ठेका ले लिया है और इसी ठेका के चलते कब्जा करने वाले लोगों को चौकी इंचार्ज रोकने का निर्देश नहीं दे रहे हैं जबकि खेत और पेड़ कब्जा करने वाले को कोतवाली में पकड़ कर लाने का निर्देश चौकी इंचार्ज को कोतवाल ने दिया था लेकिन धीरे-धीरे 3 दिन बीत गया है लेकिन आरोपी को पकड़कर चौकी इंचार्ज कोतवाली नहीं लेकर आए हैं जिससे चौकी इंचार्ज की मनसा का अंदाजा लगाया जा सकता है आरोपी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहा है चौकी इंचार्ज के लगातार संपर्क में है लेकिन चौकी इन्चार्ज कोतवाल के निर्देश पर उसे तीन दिन बाद भी पकड़कर कोतवाली नहीं लाए हैंजानकारी के मुताबिक यदुवीर पुर गांव निवासी महेंद्र मिश्रा के खेत के बाहर पड़ोसी गांव के व्यक्ति ने झोपड़पट्टी डाल दिया है कब्जा करने का प्रयास कर रहा है मामले की शिकायत 2 महीने पूर्व महेंद्र मिश्रा ने कोतवाली पुलिस से की थी लेकिन चौकी इंचार्ज की लचर व्यवस्था से मामले का निस्तारण नहीं हो सका इसी जमीन के बगल में महेंद्र मिश्रा का महुआ का पेड़ है जिसमें इस समय महुआ का फूल गिर रहा है महुआ के फूल को कब्जा करने वाला व्यक्ति जबरिया महुआ बिन रहा है महेंद्र मिश्रा जब महुआ की फूल बिनने से उसे मना करते हैं तो दलित का फायदा उठाते हुए महेंद्र मिश्रा के साथ गाली गलौज किया जाता है मारपीट करने की कोशिश की जाती है और अनुसूचित जाति की धारा में फर्जी फसाने का प्रयास किया जाता है जिससे महेंद्र मिश्रा विवाद से बच रहे हैं मामले की शिकायत 3 दिन पूर्व फिर उन्होंने मंझनपुर कोतवाल से की जिस पर मंझनपुर कोतवाल ने फोन करके चौकी इंचार्ज को निर्देशित किया कि आरोपी को पकड़ कर कोतवाली ले आओ दोनों पक्षों के सामने दोनों पक्ष की बात सुनते हैं लेकिन 3 दिन बीत गए चौकी इंचार्ज आरोपी को पकड़कर कोतवाली नहीं ला सके हैं जिससे उनकी लचर व्यवस्था और भ्रष्टाचार का अंदाजा लगाया जा सकता है चौकी इंचार्ज विवाद उत्पन्न करा करके धन वसूली में लगे हैं जिससे पूरी पुलिस वर्दी शर्मसार हो रही है।

संगठित अपराधों से फल फूल रहा शमशाबाद पुलिस चौकी क्षेत्र

अखंड भारत संदेश

विभिन्न प्रकार से संगठित अपराध से वसूली में लिप्त शमशाबाद चौकी पुलिस के कारनामे पर अभी तक अंकुश नहीं लगाया गया

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली का शमशाबाद पुलिस चौकी क्षेत्र संगठित अपराध के मामले में हमेशा सुर्खियों में रहा है शमशाबाद पुलिस चौकी इंचार्ज संगठित अपराध में लिप्त लोगों के संपर्क में बने हैं शराब भट्टी से लेकर हरे पेड़ की कटान जुए के अड्डे सब कुछ बेखौफ तरीके से चल रहे हैं क्षेत्र के मालक पिंजरे तेराहरा पूर्व सेलरहा राघवपुर सेलरहा पश्चिम शमशाबाद सहित कई गांव में धधक रही शराब की भट्ठियों को बंद कराने के बजाय चौकी पुलिस बड़ी लापरवाही बरत रहे हैं बताया जाता है की चौकी पुलिस के सिपाही शराब भट्ठियों से 3000 महीने की एकजाई वसूल रहे हैं और शराब भट्टी के संचालक को खुली छूट दे रहे हैं इतना ही नहीं शमशाबाद क्षेत्र में कई जेसीबी मशीन है खुलेआम सरकारी जमीन से मिट्टी की खुदाई कर रही हैं सरकारी भूमि से मिट्टी की खुदाई करने वाले जेसीबी संचालकों पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है बल्कि बताया जाता है कि 2000 डेली की मशीन से वसूली हो रही है इलाके में लकड़ी माफिया हरे फलदार पेड़ के कटान में प्रतिदिन सुबह से गांव क्षेत्र में निकल जाते हैं दर्जनों हरे फलदार पेड़ प्रतिदिन इलाके में काटे जाते हैं लेकिन लकड़ी के कटान में भी माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हो रही है जिससे हरियाली नष्ट हो रही है इलाके में जुए के अड्डे और सट्टे का खेल भी चरम पर चल रहा है इलाके में कई स्थानों पर गाँजा की भी बिक्री खुले आम हो रही है बताया जाता है की चौकी पुलिस 15000 रुपए महीना गाँजा के धंधे बाजो से वसूल रही है विभिन्न संगठित अपराध से वसूली करने से जब चौकी इंचार्ज का पेट नहीं भरा तो सिराथू मंझनपुर रोड पर वाहन जांच के नाम पर प्रतिदिन बड़े वाहनों की चेकिंग करते हैं ओवरलोड बालू वाहनों से भी शमशाबाद चौकी पुलिस आधी रात को वसूली करते देखे जाते हैं बताया जाता है कि बालू के वाहनों से प्रतिदिन मोटी वसूली शमशाबाद चौकी पुलिस कर रही है लेकिन विभिन्न प्रकार से संगठित अपराध से वसूली में लिप्त शमशाबाद चौकी पुलिस के कारनामे पर अभी तक अंकुश नहीं लगाया गया है क्षेत्र में अपराध चरम पर है आम जनता न्याय के लिए भटक रही है शिकायत करने के बाद भी गुणवत्तापूर्ण न्यायपूर्ण तरीके से लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है जमीनी विवाद के मामले में भी चौकी पुलिस धन वसूली तक सीमित है जिससे आम जनता को न्याय नहीं मिल रहा है और जनता परेशान है।

बेटी को बेचने वाले माता-पिता सहित तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

टेडीमोड कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव में 300000 में अपनी बेटी को 50 साल के व्यक्ति के साथ बेचकर के शादी करने के नाम पर बेटी को सौंपने के मामले को पुलिस अधीक्षक में संज्ञान ले लिया है और मामले में बेटी के माता-पिता सहित बेटी को खरीदने वाले के विरुद्ध पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस उनकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के नौढिया आमद करारी निवासी अशोक सरोज और पत्नी ने अपनी बेटी को 300000 लेकर के हरियाणा के पानीपत निवासी संदीप त्यागी के हाथ बेच दिया था बेटी ने अपने पिता माता-पिता समेत खरीदने वाले के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी जिस पर मुकदमा दर्ज हुआ है।

भ्रष्टाचार के आरोप में पंचायत सचिव निलंबित

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के अंबावा पश्चिम गांव में पशुपतिनाथ श्रीवास्तव की निजी भूमि पर इंटरलॉकिंग लगाकर 2 लाख 93 हजार रुपए का भुगतान सरकारी खजाने से किए जाने के मामले में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव का दोष जांच के दौरान उजागर हो गया है जिला विकास अधिकारी ने पंचायत सचिव श्रवण कुमार मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और उन्हें खंड विकास अधिकारी चायल कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया है पशुपतिनाथ श्रीवास्तव के निजी भूमि में सरकारी धन से इंटरलॉकिंग लगाए जाने के मामले में 5 फरवरी 2023 को ग्राम पंचायत की खुली बैठक में 3 लाख 26 हजार रुपए की कार्य योजना प्रस्तावित हुई थी मामले की शिकायत के बाद इस प्रकरण में दो वर्ष से अधिक का समय बीत गया है जांच के नाम पर बार-बार दोषी ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव को जांच अधिकारियों ने बचाने का प्रयास किया जिससे सरकारी रकम के दुरुपयोग में तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी और तत्काल कार्रवाई न होने से जिम्मेदारों की भूमिका पर भी बड़े सवाल खड़े हैं दुरुपयोग की गयी सरकारी धन की अभी तक दोषियों से रिकवरी नहीं हुई है जिससे पंचायत सचिव को निलंबित किए जाने के बाद भी इस संपूर्ण प्रकरण पर जिम्मेदारों की भूमिका पर बड़े सवाल खड़े हैं सरकारी धन के दुरुपयोग के इस मामले में लगातार आरोपियों को बचाने का प्रयास दो वर्ष से हो रहा था पशुपतिनाथ श्रीवास्तव की निजी भूमि पर इंटरलॉकिंग लगाए जाने के मामले में पंचायत सचिव को निलंबित किए जाने के बाद जिला विकास अधिकारी ने खंड विकास अधिकारी सिराथू को जांच अधिकारी नियुक्त किया है अब आगे देखना यहां है कि सरकारी धन के दुरुपयोग के इस मामले में दोषियों से सरकारी धन की रिकवरी कब होती है या फिर जांच के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का यह मामला केवल लीपापोती और अभिलेख तक सीमित रहेगा।

संपूर्ण जिले की थाना पुलिस ने देर रात सड़क पर किया पैदल गस्त

कौशाम्बी। संपूर्ण जिले की थाना पुलिस ने प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को भी देर रात्रि को अपने थाना क्षेत्र की सड़कों पर पैदल गस्त कर अपराधियों पर कड़ी निगहबानी की और आम जनता को सुरक्षा का पाठ पढ़ाया है पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद में शांति एवं सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना मंझनपुर पुलिस बल सहित संपूर्ण जिले की थाना पुलिस ने अपने-अपने थाना क्षेत्र में भारी पुलिस फोर्स के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया अपराधियों को कड़े निर्देश दिए तथा आमजनमानस से वार्ता कर पुलिस फोर्स ने सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के क्रम मे जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस बल द्वारा पैदल गस्त के दौरान अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत संदिग्ध व्यक्ति वाहन की चेकिंग की गई।

चेकिंग किए जाने से पूरे दिन वाहन चालकों में रहा हड़कंप

नारी सुरक्षा स्वालंबन की दिशा में पुलिस ने चलाया व्यापक अभियान

कौशाम्बी। नारी सुरक्षा स्वावलंबन की दिशा में जिले के विभिन्न थाना पुलिस द्वारा व्यापक अभियान चलाया गया है महिलाओं बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में बताते हुए उन्हें जागरूक किया गया है पुलिस द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत थाना संदीपनघाट पुलिस और थाना महेवा घाट पुलिस टीम सहित जिले के विभिन्न थाना पुलिस टीम द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया गया तथा महिलाओं बालिकाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई और उन्हें सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया गया।

432 वाहनों पर पुलिस ने की ई- चालान की कार्यवाही

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद में पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर वाहन चेकिंग के दृष्टिगत बड़ी कार्यवाही की गई है वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने 432 वाहनों का ई चालान किया है और अभिलेख ना पाए जाने पर तीन वाहनों को सीज कर दिया है पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर वाहनों का ई चालान किया गया।

लेखपाल का ट्रांसफर करते हैं एसडीएम दलाल का ट्रांसफर करेगा कौन

अखंड भारत संदेश

राजस्व लेखपाल के साथ लगे दलाल अधिकारियों के नाम पर वसूली करके अकूत संपत्ति अर्जित करते हैं

कौशांबी। ग्राम पंचायत में तैनात राजस्व लेखपाल की शिकायत पर उनका स्थानांतरण संबंधित उप जिला अधिकारी या जिला अधिकारी कर देते हैं लेकिन लेखपालों के साथ लगे समंतारण दलालों का स्थानांतरण आखिर कौन करेगा गांव क्षेत्र में राजस्व लेखपालों के साथ दलालों का बड़ा दखल है और सही गलत की पहचान दलालों के वसूली पर निर्भर करती है जिससे गांव के लोगों को राजस्व लेखपालों से न्याय नहीं मिल पाता है और यह दलाल बीच में दखलअंदाजी करते हैं राजस्व लेखपाल के साथ लगे दलाल अधिकारियों के नाम पर वसूली करके अकूत संपत्ति अर्जित करते हैं ताजा मामला नगर पालिका परिषद मंझनपुर के ओसा क्षेत्र का है जहां राजस्व लेखपाल के साथ रामकृपाल पाल बीते 20 वर्षों से दलाली कर रहा है यह लेखपाल के मुंशी के नाम से क्षेत्र में चर्चित है आवास योजना की जांच हो या सरकारी भूमि का पट्टा हो आय निवास जाति प्रमाण पत्र बनवाने में रिपोर्ट लगवाना हो या किसी अन्य सरकारी कार्य में हो राजस्व लेखपाल का मुंशी रामकृपाल पाल की दखलअंदाजी बनी रहती है और जिसने रामकृपाल पाल को खुश नहीं किया उसके सही कार्यों को गलत कर देना लेखपाल के कार्यों में शुमार है और जिसने रामकृपाल पाल की मेहरबानी स्वीकार कर ली उसका गलत कार्य भी लेखपाल की कलम से सही हो जाता है इस बात की शिकायत बीते दिनों नगर पालिका परिषद के सभासद प्रतिनिधि आर्यवीर लोधी ने डीएम से लेकर के सूबे के मुख्यमंत्री तक से की जिस पर मामले की जांच कराई गई और सारा दोष लेखपाल सौरभ उपाध्याय का बता करके लेखपाल को इस क्षेत्र से हटा दिया गया है और उनके स्थान पर दूसरा लेखपाल राजन सिंह को तैनाती दिए जाने की चर्चा है अब सवाल उठता है कि यदि राजन सिंह लेखपाल ने भी मुंशी बने रामकृपाल पाल का साथ पकड़ा तो गांव के लोगों को क्या न्याय नहीं मिल पाएगा आखिर रामकृपाल पाल बिना वेतन के लेखपालों के पीछे कैसे ड्यूटी देता है लेखपाल को तो सरकार वेतन देती है लेकिन इन दलालों को वेतन भी नहीं मिलता है फिर भी 18 घंटे ड्यूटी देते हैं और देखते-देखते करोड़ के संपत्ति के मालिक बन जाते हैं लेखपाल के साथ रहने वाले मुंशी के कारनामों को शासन प्रशासन को संज्ञान लेना होगा और प्रशासनिक अधिकारियों के नाम पर करोड़ों की वसूली करने वाले लेखपाल के मुंशीयों पर मुकदमा दर्ज कर करके उनकी गिरफ्तारी करवा करके जेल भेजते हुए उनकी संपत्ति को गुंडा गैंगस्टर अधिनियम के तहत जब्त किए जाने की जरूरत है तभी ग्राम पंचायत में राजस्व से संबंधित मामले में पारदर्शिता आएगी और आम जनता का शोषण बंद होगा हेरा फेरी कर-के अपने नाम और अपने भाइयों परिजनों के नाम भी दो दर्जन सरकारी भूमि का पट्टा इस मुंसी ने करवा लिया था जिसकी शिकायत हुई थी जांच के दौरान आवास का पट्टा गलत पाए जाने पर कुछ भूमि का पट्टा निरस्त कर दिया गया है इतना ही नहीं पुलिस लाइन से लेकर ओसा गांव तक में अभी भी 10 सरकारी जमीन का पट्टा लेखपाल के मुंशी और उनके परिवार के लोगों के पास मौजूद है जो बड़ी जांच का विषय है दलाली में माहिर लेखपाल का यह मुंशी पुलिस फोर्स पर हमला कर चुका है जिस मामले में इस पर मुकदमा दर्ज हुआ इसकी गिरफ्तारी हुई और पुलिस पर हमला करने के आरोप में मुंशी जेल भी भेजा गया था लेकिन जेल से जमानत पर बाहर आ चुका है और फिर अधिकारियों के नाम पर पूरे दिन वसूली कर व्यवस्था बिगाड़ने में लगा है।

सम्पादकीय

वक्फ कानून की विसंगतियां सामने आई

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की जरूरत ही क्या है।' स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है।

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले।

लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की जिद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचैनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल-पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मजबूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद-फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे।

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना जरूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही।

अब जब यह बयान आया है तब जाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका जिक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ करने वाले,कंद-मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का जिक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना जरूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं 'पंक्चरवाले' का जिक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं।

यह शब्दावली गुजरात में 2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था- प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, गरीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा?

आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाकई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है।

कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि 'बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिए' की क्या परिभाषा होगी; वक्फ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगे; कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फिलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने-बेचने लगेंगे।

इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे खत्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे।

वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे-ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें कानून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए 'एलियन' यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि- जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं।

मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी जाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था- 'जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं, जनता उनके फैसलों को देख रही है।' अभियान तो उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी चलाया था कि जजों की नियुक्ति का अधिकार और शक्ति चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए।

धनकड़ का सीधा तर्क था कि लोकतंत्र में जज भी सरकार तय करे, कॉलेजियम नहीं। जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि- अगर यह सिस्टम सही नहीं है तो सरकार नया कानून लाए। इस पृष्ठभूमि में रिजिजू की इस बात को कैसे लिया जाए जो उन्होंने सुनवाई से ठीक पहले एक चैनल को साक्षात्कार में कही- 'हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल को सरकार न्याय-व्यवस्था में दखल दे तो यह ठीक नहीं होगा। सभी शक्तियों के अधिकार सुपरिभाषित हैं।' बहरहाल सरकार ने अपना संदेश भेज दिया है कि उसे अपने फैसले को किस फ्रेम में फिट करना है। वक्फ का शेष हिसाब अब वक्त देगा।

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

- ललित गर्ग -

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन- 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीजा का ह्यग्रेट पिरामिडह्ल आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को ह्यइंकाओं का खोया हुआ शहरह्ल भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे

शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना ह्यएल कैस्टिलोह्ल पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफन टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हजारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दशार्ती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने जरूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हजारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है।

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है।

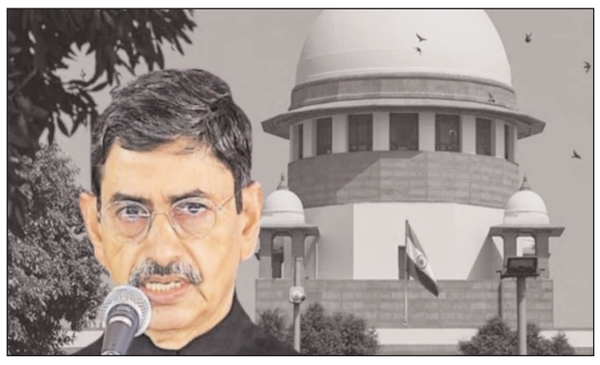

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

केरल का तर्क इस प्रकार होगा : राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना 'कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण' था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए। केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं।

धागा बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग, पांच करोड़ से अधिक नुकसान

भदोही : शहर के कार्पेट सिटी स्थित कालीन उत्पादन में प्रयुक्त होने वाला धागा बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने से करीब पांच करोड़ रुपये का कच्चा माल और मशीनें जलकर राख हो गई।

आग की भीषणता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसे बुझाने के लिये पड़ोसी जनपदों वाराणसी, प्रयागराज और जौनपुर से दमकल मंगाना पड़ा। बावजूद इसके आग पर काबू पाने में छह घण्टे लग गए।

फैक्ट्री मालिक अनिल जायसवाल ने सात से आठ करोड़ के नुकसान का आंकलन किया है। घटना शार्ट सर्किट के चलते भोर में करीब ढाई बजे हुई। फैक्ट्री में उस समय 20 से 25 मजदुर और कर्मचारी थे। मर्यादपट्टी निवासी अनिल जायसवाल और फायर ब्रिगेड को

सूचना देकर कर्मचारी व मजदूर अपने निजी संसाधन से आग बुझाने में जुट गए थे। फैक्ट्री में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम से काफी हद तक आग को बढ़ने से रोका गया। हालांकि विद्युत सप्लाई बंद होने के बाद दिक्कत बढ़ गई। उधर जनपद की फायर ब्रिगेड टीम 15 से 20 मिनट में पहुंच गई थी लेकिन दमकल खाली होने के बाद पानी की समस्या उतपन्न हो गई। भोर का समय होने के कारण आसपास की कम्पनियां भी बंद थी जिसके कारण पड़ोसी जनपदों से दमकल मंगाना पड़ा।

गेहूं खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण, धीमी खरीद पर एडीएम ने जताई नाराजगी

- 15 दिन में लक्ष्य पूरा करें
- गेहूं खरीद कंट्रोल रूम नंबर जारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अपर जिलाधिकारी (वि/रा)/जिला खरीद अधिकारी ने शुक्रवार को गेहूं क्रय केंद्र चकौंध, पहाड़ी उतरी व मंडी के खाद्य विभाग केंद्र का औचक निरीक्षण किया। चकौंध केंद्र पर किसान शिवशंकर शुक्ला का गेहूं तुल रहा था, जहां अबतक 401 क्विंटल की खरीद हो चुकी है। वहीं, पहाड़ी उतरी में 21.50 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई, जबकि मंडी केंद्र पर कोई तौल नहीं हो रही थी। एडीएम ने धीमी खरीद पर कड़ी नाराजगी जताते हुए तीन दिन में गति बढ़ाने के निर्देश दिए, अन्यथा कार्रवाई की चेतावनी दी। किसानों को समय पर भुगतान व डिलीवरी के भी सख्त निर्देश दिए गए। जिले में अब तक 332 किसानों से 1128 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। एडीएम ने केंद्र प्रभारियों से कहा कि किसान केंद्र से खाली हाथ न लौटे और यदि आवश्यकता हो तो गांवों से मोबाइल केंद्र के माध्यम से खरीद करें। गेहूं बेचने के इच्छुक किसान कंट्रोल रूम नंबर 9452094347 और 8707219558 पर संपर्क कर सकते हैं।

कर्वी मंडी में निरीक्षण करते एडीएम

चित्रकूट से चल रहा है दलाली का हेल्थ-कार्टेल

अखंड भारत संदेश

- गाली अधिकारी का हेल्थ नेटवर्क
- जिले में सिस्टम से बड़ा अफसर?

चित्रकूट। जिले में तैनात एक स्वास्थ्य अधिकारी अब केवल अधिकारी नहीं, बल्कि जनता की नजर में मुख्य गाली अधिकारी बन चुके हैं। 2021 से जिले की कुर्सी पर कब्जा जमाए बैठे इस अफसर के खिलाफ पहले भी भ्रष्टाचार, गाली-गलौज और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लग चुके हैं, लेकिन कार्रवाई का नामोनिशान तक नहीं। सिर्फ कुछ फार्मेलिटी होती है और साहेब को क्लीन चिट मिल जाती है। वजह? साहब का कद इतना बड़ा हो चुका है कि सिस्टम की रीढ़ ही झुक गई है। चर्चा है कि उनका सीधा जुगाड़ प्रदेश के एक ताकतवर नेता से है, जिसकी बदौलत उन्होंने ट्रांसफर पॉलिसी की धज्जियाँ उड़ाते हुए खुद को अपने गृह जिले प्रयागराज के करीब ही चिपका लिया है - और सिस्टम कुछ कर भी नहीं पा रहा।

दरअसल, बात सिर्फ गालियों की नहीं है। बात है एक पूरे स्वास्थ्य माफिया नेटवर्क की, जिसे यह अधिकारी बैठकर संचालित कर रहा है। आरोप है कि प्रयागराज में खुद का अस्पताल, आसपास के जिलों में कथित तौर पर एक प्राइवेट अस्पतालों की चेन, और चित्रकूट में सरकारी मरीजों को इन हॉस्पिटल्स में भेजने के बदले में भारी दलाली- यह पूरा कार्टेल अब इतना ताकतवर हो चुका है कि कोई अफसर, कोई जांच या कोई सिस्टम भी इसे छू नहीं पा रहा। ये वही अधिकारी हैं जिनके खिलाफ कुछ दिन पहले एक महिला स्वास्थ्यकर्मी ने गंभीर आरोप लगाए थे, लेकिन निलंबन तो दूर, चार्जशीट तक नहीं आई। उल्टे साहब और ज्यादा उग्र हो गए। और अब ताजा वायरल ऑडियो में एक दलित डॉक्टर को जातिसूचक गालियाँ देते साफ सुने जा सकते हैं।

बड़ा सवाल है कि इस अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? क्या अफसरशाही अब सेवा नहीं, बल्कि सेटिंग और सेंधमारी की व्यवस्था बन गई है? क्या यही है योगी सरकार का बुलडोजर राज, जो गलत निर्माण तो गिरा देता है लेकिन प्रशासनिक माफिया के लिए सारे नियम कायदे ताक पर? सवाल सिर्फ इतना है कि इस माफिया के खिलाफ जिम्मेदार संज्ञान क्यों नही ले रहे है?

माफीनामा बना नए युग का अपराध मुक्ति प्रमाणपत्र : माफी कानून से बड़ी?

निरंजन पाण्डेय

- खतरनाक परंपरा की शुरूआत
- कानून के दो मापदंड?

चित्रकूट। मुझसे गलती हुई, मैं क्षमाप्रार्थी हूँ-चित्रकूट के बैंक मैनेजर के दिए गए इस माफीनामे ने कई बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या अब सार्वजनिक रूप से कानून तोड़ने, आम नागरिकों से अभद्रता व मारपीट करने जैसे गंभीर कृत्यों को एक माफीनामे से भुलाया जा सकता है? क्या यही अब हमारे न्याय की कसौटी बन गई है? क्या सरकारी कुर्सी पर बैठा व्यक्ति पहले कानून तोड़े, फिर सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ले और सारा अपराध धुल जाए?

कानून स्पष्ट है कि कोई भी दंडनीय अपराध, केवल निजी समझौते या क्षमा याचना से स्वतः समाप्त नहीं होता, खासकर तब जब मामला सार्वजनिक हो, वायरल वीडियो के रूप में दर्ज हो और जनता की गरिमा से जुड़ा हो। लेकिन चित्रकूट में घटित इस प्रकरण ने एक नई चिंता खड़ी कर दी है। बैंक मैनेजर ने लिखित माफीनामा देकर अपनी गलती स्वीकार की- यानी एक प्रकार से यह स्वयं ही अपने अपराध की स्वीकारोक्ति है। ऐसे में सवाल है कि क्या जांच टीम ने इसे गंभीरता से लिया? क्या बैंक कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन के आधार पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति हुई? या फिर यह पूरी जांच भी बस एक औपचारिकता बनकर रह गई?

अगर यही पैमाना बना रहा, तो यह एक खतरनाक परंपरा की शुरूआत होगी। कोई भी अधिकारी कल को किसी आम नागरिक से दुर्व्यवहार करने के बाद यही कहेगा-भूल हुई, क्षमा चाहता हूँ- और सिस्टम कहेगा-जाइए, सब माफ। क्या यही लोकतंत्र है? क्या अब कानून और सिस्टम सिर्फ आम जनता के लिए रह गई है और अधिकारी माफीनामे के नाम पर बरी होते रहेंगे? अगर कोई आम नागरिक बैंक मैनेजर के साथ ऐसा व्यवहार करता, तो क्या उसे भी माफ कर दिया जाता? जवाब सभी के पास है, लेकिन कार्रवाई सिर्फ सिस्टम के पास। अगर इस बार भी सिस्टम चुप रहा तो आने वाले कल में माफीनामे अपराधियों का नया हथियार बन जाएंगे और जनता के पास सिर्फ सवाल रह जाएंगे।

जब समाज बना सहारा : भदेदू अग्निकांड पीड़ितों को मिली राहत की नई उम्मीद

- पत्रकार समाज कल्याण समिति व जन एक्सप्रेस फाउंडेशन पेश की मानवता की मिसाल
- प्रशासन ने सराहा जज्बा

अखंड भारत संदेश

पीडितों को मदद पहुंचाते एसडीएम

चित्रकूट। राजापुर तहसील के भदेदू गांव में 4 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड ने 32 परिवारों की गृहस्थी को राख कर दिया। शादी-ब्याह का सामान, बच्चों की किताबें और जीवनभर की जमापूंजी चंद घंटों में खाक हो गई। इस विकट घड़ी में समाज और प्रशासन ने एक साथ कदम बढ़ाया और पीड़ितों को राहत की सांस दी।

पत्रकार समाज कल्याण समिति चित्रकूट के सदस्य मौके पर पहुंचे और भोजन, कपड़े, राशन आदि वितरित किए। इसके बाद जन एक्सप्रेस फाउंडेशन ट्रस्ट ने प्रशासन के सहयोग से पीड़ितों को चारपाई, गद्दा, थाली, गिलास, बाल्टी, मग, साड़ी समेत घरेलू जरूरत का हर सामान दिया। बच्चों को कॉपी, किताबें, पेन-पेंसिल भी दी गईं, जिससे उनकी शिक्षा की लौ बुझने न पाए। कथावाचक बृजनन्दन बलुआ महाराज ने बर्तन व राशन, जबकि क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपचंद पाण्डेय ने महिलाओं को साड़ियां दीं। भगवान भजनाश्रम सेवा ट्रस्ट ने भी राहत सामग्री दी। उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा ने कहा कि सरकारी मदद जरूरी है, लेकिन जब समाज साथ देता है, तब असली राहत मिलती है। यह पीड़ित परिवारों के लिए उम्मीद और सहारे की लौ है। उन्होंने सभी समाजसेवियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी विपदा में मदद करना ही सच्ची मानवता है। कार्यक्रम के समापन पर प्रशासनिक अधिकारियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। वहीं पीड़ितों ने कहा कि आपने हमें नई जिंदगी दी है, ईश्वर आपको आशीर्वाद दे। एक समाचार पत्र के संवाददाता सचिन वंदन ने पीड़ितों की स्थिति से फाउंडेशन संस्थापक अरुण त्रिपाठी को अवगत कराया, जिन्होंने तुरंत सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। इस मौके पर राजापुर एसडीएम हर्षिता देवड़ा, नायब तहसीलदार पारुल सिंह परिहार, न्यायिक एसडीएम फूलचंद यादव, उद्यमी संजय अग्रवाल व जन एक्सप्रेस टीम के पदाधिकारी मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की कठोर सजा

- कानून के कटघरे में सच की जीत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। न्याय की चौखट पर फिर एक बार इंसाफ ने दस्तक दी है। अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष पॉक्सो एक्ट) श्रीमती रेनू मिश्रा की अदालत ने नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी पतवा रैदास को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला ऑपरेशन कन्विक्शन एवं मिशन शक्ति अभियान पर न्याय की दिशा में पुलिस की प्रभावी पैरवी व अदालती कार्यवाही का एक सशक्त उदाहरण बना है।

पूरा मामला 2 फरवरी 2020 का है, जब पीड़िता के परिजनों ने थाना मऊ में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी पतवा रैदास पुत्र बुधई, निवासी चकवा, थाना मऊ, ने झाड़-फूंक के बहाने उनकी नाबालिग बेटी को फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उचित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया। जांच की जिम्मेदारी तत्कालीन दारोगा सुभाष चंद्र चौरसिया को सौंपी गई, जिन्होंने साक्ष्यों के आधार पर 10 मार्च 2020 को चार्जशीट न्यायालय में प्रस्तुत की।

इसके बाद शुरू हुआ कानून का लंबा संघर्ष, जिसे मुकाम तक पहुँचाने में मऊ थाना प्रभारी विनोद कुमार राय, पैरोकार सिपाही धनेश मिश्रा व मॉनिटरिंग सेल प्रभारी विनोद कुमार शुक्ला की टीम ने दिन-रात एक कर दिया। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विशेष पॉक्सो एक्ट की प्रभावी बहस ने अभियोजन पक्ष का पक्ष मजबूती से रखा, जिसका नतीजा यह ऐतिहासिक फैसला बनकर सामने आया। एसपी चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देश में चल रहे मिशन शक्ति एवं ऑपरेशन कन्विक्शन की यह सफलता समाज को एक सशक्त संदेश देती है कि बेटियों के खिलाफ अपराध करने वालों को कानून से कोई राहत नहीं मिलेगी।

पेंशन अदालत एक मई को, लम्बित मामलों की होगी सुनवाई

चित्रकूट। चित्रकूटधाम मण्डल के सेवानिवृत्त कर्मचारियों व शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। मण्डलायुक्त चित्रकूटधाम बाँदा के निर्देश पर एक को पूर्वाह्न 11 बजे आयुक्त कार्यालय बाँदा में मण्डलीय पेंशन अदालत का आयोजन होगा। इसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह करेंगे। इस अदालत में सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लम्बित पेंशन व देयकों से जुड़े मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही जनसुनवाई के माध्यम से कर्मचारी अपनी शिकायतें भी प्रस्तुत कर सकेंगे। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि पेंशन अदालत से संबंधित वाद पत्र/प्रत्यावेदन तीन प्रतियों में, तथा जनसुनवाई से जुड़ी शिकायतें दो प्रतियों में कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, चित्रकूटधाम मंडल, बाँदा में 22 अप्रैल की शाम 4 बजे तक पंजीकृत डाक या व्यक्तिगत रूप से जमा की जा सकती हैं।

इल्जामों की बारिश में भीगी सच्चाई, मनीष की ईमानदारी क्यों बनी सियासी लड़ाई?

निरंजन पाण्डेय

- स्टेनो की खामोश चीख व कुर्सी के इर्द-गिर्द बुनते साजिशों के जाल की कहानी
- कुर्सी हड़पने की ऑफिशियल साजिश?

चित्रकूट। जिले के प्रशासनिक गलियारों में इन दिनों एक नाम लपटों की तरह उठ रहा है- मनीष निगम। कभी ईमानदार स्टेनो के तौर पर पहचाने जाने वाले मनीष अब आरोपों की आंधियों में घिरे हैं। उन पर भ्रष्टाचार, अवैध खनन व सत्ता संरक्षण जैसे संगीन इल्जाम लगाए जा रहे हैं। शिकायतों की सूची लंबी है-कभी कहा गया कि क्रशर खदान में हिस्सेदारी है, तो कभी आठ साल में करोड़ों की संपत्ति बना लेने की चर्चा जोरों पर है। परंतु जब इन सभी आरोपों का जवाब खुद मनीष ने दिया, तो तस्वीर का दूसरा पहलू सामने आया-एक ऐसा पहलू जो सवाल करता है कि क्या ये लड़ाई किसी दोषी से है, या एक ईमानदार कर्मचारी को विभागीय षड्यंत्रों में फंसाकर हाशिए पर डालने की साजिश?

मनीष निगम स्पष्ट कहते हैं कि उन्होंने राजापुर, मानिकपुर, कलेक्ट्रेट और न्यायिक शाखा में सेवा दी है। विभाग द्वारा आवंटित ब्लॉक परिसर में रहते हैं और हर वर्ष अपनी संपत्ति का विवरण भी जमा करते हैं। जनवरी 2025 में एडीएम न्यायिक ने उन्हें सभी आरोपों से दोषमुक्त किया था। बावजूद इसके, उनके खिलाफ शिकायतों की बरसात थमने का नाम नहीं ले रही। उनका कहना है कि हर बार अलग-अलग नाम से उनके ही कार्यालय के कुछ लोग शिकायतें दर्ज करवा रहे हैं ताकि उनकी छवि धूमिल हो और जिला मुख्यालय से उनका स्थानांतरण हो जाए। आरोप लगाते हैं कि डीएम कार्यालय में स्टेनो की खाली पड़ी कुर्सी को पाने के लिए यह पूरी योजना बनाई जा रही है।

गंभीर सवाल है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी एडीएम स्तर की जांच में निर्दोष पाया गया हो, फिर भी उसे बार-बार शिकायतों के नाम पर मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़े, तो क्या इसे प्रशासनिक पारदर्शिता कहा जाएगा? क्या यह एक ईमानदार कर्मचारी के आत्मसम्मान पर सुनियोजित हमला नहीं है? मनीष निगम ने यह भी बताया कि वे इस समय स्टेनो पद पर नहीं, बल्कि सीएम आईजीआरएस पोर्टल पर कार्यरत हैं। फिर भी कुछ लोग बार-बार कुर्सी का मुद्दा उठाकर उन्हें टारगेट कर रहे हैं। मनीष निगम की यह कहानी सिर्फ एक स्टेनो की नहीं, बल्कि उन सभी ईमानदार कर्मचारियों की आवाज है जो गुटबाजी, साजिश और सत्ता की चालों के आगे अपनी आत्मा और पेशेवर गरिमा को कुर्बान नहीं करना चाहते। यदि ऐसे कर्मियों की छवि को बदनाम करने की प्रवृत्ति पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो कल हर सच्चा अफसर मनीष बनने से डरेगा।

'रास्ते कठिन हैं, तो क्या हुआ- सेवा की राह में मत झुकना तुम'

- ग्रामोदय विश्वविद्यालय में एनएसएस शिविर का हुआ समापन
- स्वयंसेवकों को मिला कुलगुरु का आशीर्वाद

शिविर में छात्रों को सम्मानित करते प्रो मिश्रा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का समापन आज एक प्रेरणास्पद व उल्लासपूर्ण समारोह के साथ हुआ। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने शिविर के प्रतिभागी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानस्वरूप सील्ड देकर उत्साहवर्धन किया।

रजत जयंती सभागार में इस कार्यक्रम में प्रो मिश्रा ने स्वयंसेवकों को देशहित के कार्यों में अग्रणी रहने की प्रेरणा दी। कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की पाठशाला है, जहां विद्यार्थी निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के गुणों से परिचित होते हैं। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा- कठिन रास्तों से घबराना नहीं है, बल्कि उन रास्तों को सरल बनाने के उपाय खोजने हैं। सच्चे नेता वहीं जन्म लेते हैं, जो चुनौतियों से आंख मिलाकर चलते हैं। कार्यक्रम के बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्राम दर्शन प्रकल्प में सामूहिक श्रमदान कर ग्राम्य संस्कृति को सजीव रूप में महसूस किया। मिट्टी से सने हाथों में गर्व था, और आंखों में भारत के गांवों को बदलने का सपना। श्रमदान के बाद सभी स्वयंसेवकों ने सामूहिक अल्पाहार में सहभागिता कर एकता और सहभागिता का परिचय दिया। इस मौके पर ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय के प्रो अमर जीत सिंह, बीएड पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ श्याम सिंह गौर, श्रीमती गौर एवं अन्य प्राध्यापकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन व समापन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ उमेश कुमार शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी डंडे समेत गिरफ्तार

चित्रकूट। मऊ थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जान से मारने की नीयत से हमला करने वाले आरोपी पंकज सिंह को पुलिस ने मारपीट में प्रयुक्त डंडे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ मऊ यामीन अहमद के पर्यवेक्षण में की गई। आरोपी पंकज सिंह पुत्र संतोष सिंह निवासी ग्राम छिवलहा को पुलिस ने शुक्रवार को सुबह 11 बजे कटिया तिराहा से गिरफ्तार किया। इस संबंध में वादी कुंवर सिंह ने 16 मार्च को मऊ थाने में तहरीर दी थी कि गांव के ही संतोष सिंह, पंकज सिंह और अजय सिंह ने प्रदीप ढाबा के पास उसके भाई प्रदीप सिंह को गाली-गलौच करते हुए डंडों से बुरी तरह मारा-पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सीएचसी मऊ से प्रयागराज के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में मऊ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना दारोगा रामकृत यादव को सौंपी थी, जिन्होंने सिपाही संदीप यादव के साथ मिलकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि शेष वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेजी से जारी हैं।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

यमन के ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमला

वाशिंगटन। यमन में एक ईंधन बंदरगाह पर अमेरिकी हमलों में कम से कम 38 लोग मारे गए। अमेरिकी सेना ने कहा कि हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप के लिए ईंधन का स्त्रोत काटना था। ईरान समर्थित ग्रुप पर वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से यह सबसे घातक हमलों में से एक है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल मसीरा टीवी ने कहा कि गुरुवार को पश्चिमी ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर हुए हमलों में 102 लोग घायल भी हुए। बता दें अल मसीरा टीवी का संचालन हूती ग्रुप करता है। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि हमलों की शुरूआती घोषणा के अलावा उसके पास कोई जानकारी नहीं है।
एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, "इन हमलों का उद्देश्य हूती ग्रुप की शक्ति के आर्थिक स्त्रोत को कमजोर करना था, जो अपने साथी देशवासियों का शोषण करते रहते हैं और उन्हें भारी पीड़ा पहुंचाते हैं।"
जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से मध्य पूर्व में यह अमेरिका का सबसे बड़े सैन्य अभियान है। इसके तहत पिछले महीने से बड़े पैमाने पर शुरू किए गए। वाशिंगटन का कहना है कि कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक कि

हूती लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना बंद नहीं कर देते।
नवंबर 2023 से, हूती विद्रोहियों ने जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर दर्जनों ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, उनका कहना है कि वे गाजा में युद्ध के विरोध में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने गाजा में दो महीने के युद्ध विराम के दौरान जहाजों पर हमले रोक दिए थे।
हालांकि पिछले महीने इजरायल ने गाजा पर फिर से हमले शुरू कर दिए जिसके बाद ग्रुप ने अपनी कार्रवाई दोबारा शुरू करने का ऐलान किया लेकिन तब से उन्होंने कोई दावा नहीं किया। ग्रुप का कहना है कि वह 'अमेरिकी आक्रमण' का जवाब देता रहेगा। 2014 से गृहयुद्ध के बाद हूती समूह ने उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से पर नियंत्रण बना रखा है।

1 लाख 70 हजार लोग रवाना, क्यों अपना देश छोड़ रहे पाकिस्तानी? ये सरकारी आदेश बना मुसीबत

सऊदी अरब
सऊदी अरब पाकिस्तानी श्रमिकों के लिए अग्रणी गंतव्य था, जहाँ 121,190 की संख्या में नौकरी चाहने वालों की सबसे बड़ी संख्या थी। ओमान दूसरे स्थान पर रहा, जहाँ 8,331 पाकिस्तानियों ने नौकरी की तलाश की, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने 6,891 को स्वीकार किया, जैसा कि द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया।
आव्रजन ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में 172,000 से अधिक पाकिस्तानियों ने विदेश में रोजगार की तलाश की, जो एक उल्लेखनीय वृद्धि है।
रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी से मार्च तक कम से कम 172,144 व्यक्तियों ने विदेशों में बेहतर नौकरी की संभावनाओं की तलाश में देश छोड़ दिया। सऊदी

अरब पाकिस्तानी श्रमिकों के लिए अग्रणी गंतव्य था, जहाँ 121,190 की संख्या में नौकरी चाहने वालों की सबसे बड़ी संख्या थी। ओमान दूसरे स्थान पर रहा, जहाँ 8,331 पाकिस्तानियों ने नौकरी की तलाश की, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने 6,891 को स्वीकार किया, जैसा कि द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया।
कतर भी एक पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा, जहाँ 12,989 पाकिस्तानियों को रोजगार मिला, और बहरीन में 939 पाकिस्तानी श्रमिकों की वृद्धि हुई। द न्यूज इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अन्य महत्वपूर्ण गंतव्यों में यूनाइटेड किंगडम (1,454), तुर्किये (870), ग्रीस (815), मलेशिया (775), चीन (592), अजरबैजान (350), जर्मनी (264), संयुक्त राज्य अमेरिका (257), इटली (109) और जापान (108) शामिल हैं।

खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के पास संसाधनों की ऐसी कमी, हमलों से बचा सकने योग्य इमारत तक नहीं

पाकिस्तान
एक सूत्र ने द न्यूज को बताया, दक्षिणी जिलों और केपी के अन्य हिस्सों में हाल ही में हुए कुछ हमलों में पुलिस के खिलाफ परिष्कृत हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जबकि पुलिस ने चौकियों और पुलिस स्टेशनों से बहादुरी से मुकाबला किया, जिनमें से कुछ की कोई चारदीवारी नहीं थी।
खैबर पख्तूनख्वा पुलिस पिछले दो दशकों से आतंकवाद के मामले में कई चुनौतियों का सामना कर रही है, लेकिन लगातार सरकारों ने पुलिस को प्रोत्साहित करने के लिए कठोर क्षेत्र का दर्जा सहित बल की वास्तविक मांगों पर ध्यान नहीं दिया। बल के पास तकनीक, बुलेटप्रूफ वाहन और जैकेट, थर्मल इमेजिंग गन और स्कोप की कमी है। कई पुलिस स्टेशनों, चौकियों और पुलिस लाइनों में उचित इमारतें नहीं हैं जो पुलिस को हमलों से बचा सकें। एक सूत्र ने द न्यूज को बताया, दक्षिणी जिलों और केपी के अन्य हिस्सों में हाल ही में हुए कुछ हमलों में पुलिस के खिलाफ परिष्कृत हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

अमेरिकी विश्वविद्यालय में गोलीबारी: 2 की मौत, 6 घायल

वाशिंगटन। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी (एफएसयू) कैंपस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।
घायलों और हमले के आरोपी को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।
अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध को गोली मारने के बाद पकड़ लिया।
लियोन काउंटी के शेरिफ वाल्टर मैकनील ने बताया कि हमले के आरोपी का नाम फीनिक्स इकनर है, जिसकी उम्र 20 साल है। वह एफएसयू का छात्र है और एक डिप्टी शेरिफ का बेटा है।
जांच में पता चला कि संदिग्ध ने अपनी मां के पुराने हथियार का इस्तेमाल किया, जो अब भी उसकी मां के नाम पर है। यह हथियार मौके पर मिला। उसके पास एक शॉटगन भी थी।
शेरिफ ने बताया कि डिप्टी शेरिफ पिछले 18 सालों से एजेंसी के लिए काम कर रहे हैं और उन्होंने हमेशा शानदार तरीके से अपनी सेवा दी है।
शेरिफ मैकनील ने कहा कि अफसोस की बात है कि डिप्टी शेरिफ के बेटे ने हथियार का इस्तेमाल किया।
उन्होंने बताया कि आरोपी शूटर लियोन काउंटी शेरिफ कार्यालय की युवा सलाहकार टीम का लंबे समय से हिस्सा रहा है और उसने कई ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया था।
शेरिफ ने कहा कि वह लियोन काउंटी शेरिफ कार्यालय से काफी जुड़ा हुआ था।
पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में जान

गंवाने वाले दोनों लोग छात्र नहीं थे। अभी तक उनके नाम नहीं बताए गए हैं।
तल्हासी पुलिस ने करीब 3:15 बजे दोपहर में बताया कि कैंपस को सुरक्षित कर लिया गया है, लेकिन जांच के लिए अभी भी कई पुलिस एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं।
एफएसयू ने ट्वीट कर बताया कि अब कोई खतरा नहीं है।
विश्वविद्यालय ने कहा कि छात्र संघ और कैंपस के कुछ अन्य भवनों में जाने से बचना चाहिए, क्योंकि उन्हें अभी भी अपराध स्थल माना जा रहा है।
एफएसयू ने बताया कि पुलिस ने दोपहर करीब 12:01 बजे छात्र संघ क्षेत्र में सक्रिय शूटर की सूचना मिलने पर कार्रवाई की।
पुलिस ने बाद में बताया कि हमलावर ने सुबह करीब 11:50 बजे गोलीबारी शुरू की। स्कूल ने कैंपस में मौजूद लोगों के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा, "सुरक्षित स्थान पर जाएं और अगले निर्देशों का इंतजार करें।"
विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद करने और उनसे दूर रहने की सलाह दी है।

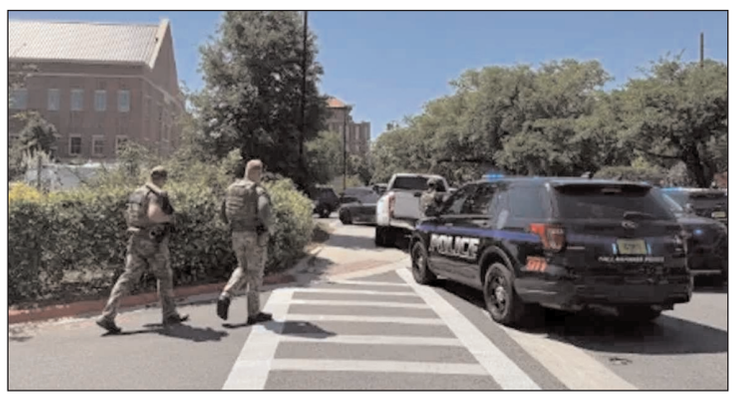

फेडरल कोर्ट ने एलन मस्क को दिया बड़ा

अमेरिका
हॉलैंडर ने पिछले महीने एक अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया था, जिसमें ऊडत्र्भ्र्ए की ररअ डेटा तक पहुँच को प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन यह गुरुवार को समाप्त होने वाला था। प्रारंभिक निषेधाज्ञा मामले के निपटारे तक प्रतिबंधों को लंबे समय तक के लिए मजबूत करती है। अमेरिका के फेडरल जज ने एक प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। इससे अरबपति एलन मस्क के सहयोगियों पर सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के कंप्यूटर सिस्टम में रखे गए लाखों अमेरिकियों की निजी जानकारी तक पहुँचने पर प्रतिबंधित हो जाएगी। मैरीलैंड के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज एलेन हॉलैंडर ने कहा कि मस्क का सरकारी दक्षता विभाग धोखाधड़ी को जड़ से खत्म करने के अपने घोषित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एसएसए के डेटा तक अभूतपूर्व, निर्बाध पहुँच की आवश्यकता को दिखाने में विफल रहा है। हॉलैंडर ने पिछले महीने एक अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया था, जिसमें ऊडत्र्भ्र्ए की ररअ डेटा तक पहुँच को प्रतिबंधित किया गया था, लेकिन यह गुरुवार को समाप्त होने वाला था। प्रारंभिक निषेधाज्ञा मामले के निपटारे तक प्रतिबंधों को लंबे समय तक के लिए मजबूत करती है। यह निषेधाज्ञा उन दो श्रमिक यूनियनों और एक वकालत समूह के लिए जीत है, जिन्होंने फरवरी में एसएसए, मस्क, डीओजीई और अन्य पर मुकदमा दायर किया था, जिसमें डीओजीई सदस्यों को एजेंसी के कुछ सबसे संवेदनशील डेटा सिस्टम तक पहुँचने से रोकने की मांग की गई थी। हॉलैंडर ने कहा कि वादी अपने दावे में सफल हो सकते हैं कि डीओजीई के कर्मचारियों ने डेटा तक पहुँचने के अपने अब तक के विभिन्न प्रयासों में गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन किया है और अमेरिकियों को अपूरणीय क्षति से बचाने के लिए निषेधाज्ञा की आवश्यकता थी।
जज का कहना है कि 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह के बाद डीओजीई ने जितने भी गैर-अनाम डेटा सुरक्षित रखे हैं, उन्हें तुरंत मिटाना होगा। साथ ही ऊडत्र्भ्र्ए सामाजिक सुरक्षा प्रशासन (ररअ) में कोई बदलाव नहीं कर सकता है। ऊडत्र्भ्र्ए को ररअ में डाले गए सारे कोड और सॉफ्टवेयर भी हटाने होंगे।

हूतियों को टारगेट कर किया अब तक का सबसे बड़ा हमला, अबतक 74 की मौत, 171 घायल

रास ईसा
रास ईसा तेल बंदरगाह पर हमला, जिससे रात के समय आसमान में आग के बड़े-बड़े गोले उठे, अमेरिकी अभियान के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। हूतियों ने तुरंत हमले में मारे गए लोगों की ग्राफिक फुटेज जारी की।
यमन के हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले एक तेल बंदरगाह को निशाना बनाकर किए गए अमेरिकी हवाई हमलों में 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए, समूह ने शुक्रवार को कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए नए अभियान के तहत यह अब तक का सबसे घातक हमला है। 15 मार्च से शुरू हुए ट्रम्प के अभियान के नुकसान का आकलन करना अविश्वसनीय रूप से कठिन रहा है क्योंकि अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने अब तक अभियान, इसके विशिष्ट लक्ष्यों और कितने लोग मारे गए हैं, इस बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की है। इस बीच, यमन के हौथी विद्रोही हमले वाले क्षेत्रों तक पहुँच को सख्ती से नियंत्रित करते हैं और हमलों की जानकारी प्रकाशित नहीं करते हैं, जिनमें से कई ने संभवतः सैन्य और सुरक्षा स्थलों को निशाना बनाया है।
लेकिन रास ईसा तेल बंदरगाह पर

हमला, जिससे रात के समय आसमान में आग के बड़े-बड़े गोले उठे, अमेरिकी अभियान के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। हूतियों ने तुरंत हमले में मारे गए लोगों की ग्राफिक फुटेज जारी की। सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बलों ने ईरान समर्थित हौथी आतंकवादियों के लिए ईंधन के इस स्रोत को खत्म करने और उन्हें अवैध राजस्व से वंचित करने के लिए कार्रवाई की, जिसने 10 वर्षों से अधिक समय से पूरे क्षेत्र को आतंकित करने के हौथी प्रयासों को वित्त पोषित किया है। इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था, जो हूथी शासन के जुए को उतार फेंकना चाहते हैं और शांति से रहना चाहते हैं, ऐसा उन्होंने कहा। इसने किसी भी हताहत की बात स्वीकार नहीं की और जब एसोसिएटेड प्रेस ने कथित तौर पर मारे गए नागरिकों के बारे में पूछा तो उसने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।
रास ईसा बंदरगाह, तीन तेल टैंकों और रिफाइनिंग उपकरणों का एक संग्रह, लाल सागर के किनारे यमन के होदेदा प्रांत में स्थित है। जंगल की आग पर नजर रखने वाले नासा के उपग्रहों ने शुक्रवार की सुबह कामरान द्वीप के पास स्थित इस स्थल पर भीषण आग दिखाई, जिसे पिछले कुछ दिनों में अमेरिका के तीव्र हवाई हमलों का निशाना बनाया गया था। हौथिस के अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज चैनल ने घटना के बाद की ग्राफि क फुटेज दिखाई, जिसमें पूरे स्थल पर लाशें बिखरी हुई दिखाई दे रही थीं। इसने कहा कि बंदरगाह पर पैरामेडिक और नागरिक कर्मचारी हमले में मारे गए थे, जिससे एक बड़ा विस्फोट हुआ और आग लग गई।

मैंने ऐसा तो नहीं कहा, ट्रंप ने मेलोनी के सामने क्या झूठ बोल दिया?

अमेरिका
मेलोनी ने कहा कि उन्हें "यकीन" है कि वे एक समझौते पर पहुंच सकते हैं। दोनों नेताओं ने दोपहर के भोजन और ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान गर्मजोशी से बातचीत की। इस बीच ट्रंप ने मेलोनी की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा-आपके जैसा दुनिया में कोई नहीं है।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इतालवी प्रधान मंत्री

जियोर्जिया मेलोनी ने व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका-यूरोपीय संघ टैरिफ सौदे के बारे में आशा व्यक्त की है। ट्रम्प ने घोषणा की कि 100 प्रतिशत व्यापार समझौता होगा, जबकि मेलोनी ने कहा कि उन्हें "यकीन" है कि वे एक समझौते पर पहुंच सकते हैं। दोनों नेताओं ने दोपहर के भोजन और ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान गर्मजोशी से बातचीत की। इस बीच ट्रंप ने मेलोनी की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा-आपके जैसा दुनिया में कोई नहीं है।
ट्रंप की तरफ से लगाए गए 20% टैरिफ के बाद उनसे मिलने वाली पहली यूरोपीय नेता बनीं। इटली के लिए ये टैरिफ अहम मसला है क्योंकि उसके करीब 10% एक्सपोर्ट अमेरिका जाते हैं। तभी एक सवाल की वजह से ट्रंप की जुबान लड़खड़ा गई। सामने बैठे ट्रंप ऐसे बौखलाए कि खुद को बचाने के चक्कर में एक बड़ा झूठ बोल गए।
एक इटैलियन पत्रकार ने ट्रंप से सीधे पूछ लिया कि क्या आपने यूरोपियनों को परजीवी यानी पैरासाइट्स कहा है? ट्रंप ने तुरंत इनकार कर दिया और कहा कि मैंने ऐसा कभी नहीं कहा. मुझे तो समझ में भी नहीं आ रहा है कि आप किसकी बात कर रहे हैं.
मगर बात यहीं नहीं रुकी. इटली की प्रधानमंत्री मेलोने ने बीच में दखल देते हुए ट्रंप से वही सवाल दोहराया और उन्हें क्लीन चीट दी कि नहीं इन्होंने ऐसा नहीं कहा है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने इमरान खान को लेकर क्या दावा किया?

पाकिस्तान
गंडापुर ने कहा कि बातचीत का लक्ष्य पाकिस्तान का राष्ट्रीय हित और स्थिरता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार पीटीआई संस्थापक पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने की संभावना पर विचार कर रही है और पाकिस्तान पर दबाव के जरिए शासन नहीं किया जा सकता।
खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान बातचीत करने के इच्छुक हैं, क्योंकि उनका एक गौरवशाली, स्वतंत्र राष्ट्र बनाने का सपना है। उन्होंने लाहौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और लाहौर बार एसोसिएशन की संयुक्त आम सभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इमरान खान बातचीत के लिए इसलिए तैयार नहीं हैं क्योंकि उन्हें सत्ता या प्रधानमंत्री की कुर्सी चाहिए, बल्कि इसलिए क्योंकि वह एक गौरवशाली, स्वतंत्र राष्ट्र के निर्माण का सपना देखते हैं।

परमाणु मुद्दे पर मध्यस्थता को हम तैयार

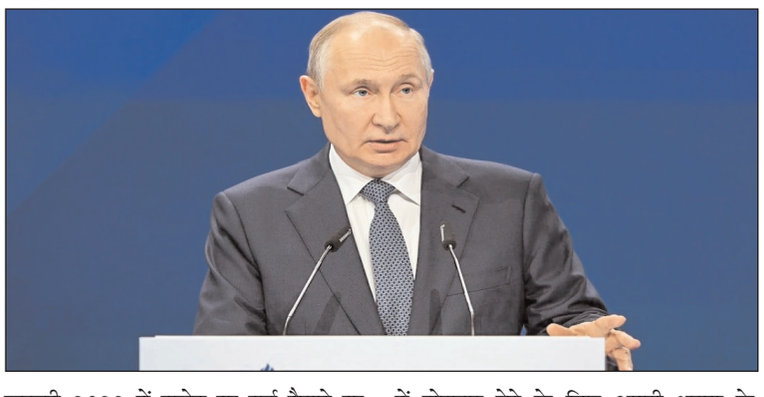

रूस
रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियारों का भंडार है। उसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से ईरान के साथ अपने सैन्य संबंधों को मजबूत किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा रूसी संघ राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से स्थिति के समाधान में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करने के लिए तैयार है।
मॉस्को ने कहा कि वह तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध को कूटनीतिक रूप से हल करने में मदद करने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सब कुछ करने के लिए तैयार है। रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियारों का भंडार है। उसने

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से ईरान के साथ अपने सैन्य संबंधों को मजबूत किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा रूसी संघ राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से स्थिति के समाधान में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सब कुछ करने के लिए तैयार है।
उनकी यह टिप्पणी एक ईरानी सांसद द्वारा सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को दिए गए साक्षात्कार के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस और चीन तेहरान और वाशिंगटन के बीच किसी भी भावी समझौते के संयुक्त गारंटर के रूप में काम कर सकते हैं। रूस ने हाल के हफ्तों में तनाव कम करने के लिए कई अपीलें जारी की हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी थी कि अगर उसने अपने परमाणु कार्यक्रम की सीमाओं पर बातचीत करने से इनकार कर दिया तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। पेसकोव ने यह नहीं बताया कि मॉस्को गारंटर की भूमिका निभाएगा या नहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि क्रेमलिन ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच दूसरे दौर की वार्ता पर भरोसा कर रहा है। ईरानी और अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले सप्ताह ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की, जो 2018 में ट्रम्प द्वारा एक ऐतिहासिक परमाणु समझौते से हटने के बाद से उनके उच्चतम स्तर के संपर्क को चिह्नित करता है।